

اللغة الهندية

हिंदी भाषा

मुस्लिम बच्चे की पुस्तकालय

مكتبة الطفل المسلم

तैयार एवं संकलित:
डॉ. हैसम सरहान



इसमें शामिल हैं:

01

आइए साथ
मिलकर सीखें



02

छोटा
मुसलमान



03

आइए अरबी
भाषा सीखें



अल-मस्जिद अन-नबवी और कुबा मस्जिद के पूर्व शिक्षक तथा
ऑनलाइन शैक्षिक संस्थान महद सुन्ह के पर्यवेक्षक।



اللغة الهندية
(हिन्दी भाषामे)

هيا بنا نتعلم

بقلم الفقير إلى عفوره

هَيْثَمُ بْنُ مُحَمَّدٍ سَرْحَانُ

المدرس بمعهد الحرم بالمسجد النبوي - سابقا -

লেখক

হৈসম বিন মুহম্মদ সরহান



أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ① الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ② مَلِكٍ يَوْمَ الدِّينِ ③
إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ ④ أَهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ ⑤
صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ⑥ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّينَ ⑦﴾

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿قُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ ① اللَّهُ الصَّمَدُ ② لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ ③
وَلَمْ يَكُنْ لَهُ كُفُوًا أَحَدٌ ④﴾

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ ① مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ ② وَمِنْ شَرِّ غَاسِقٍ إِذَا وَقَبَ ③
وَمِنْ شَرِّ النَّفَّاثَاتِ فِي الْعُقَدِ ④ وَمِنْ شَرِّ حَاسِدٍ إِذَا حَسَدَ ⑤﴾

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ النَّاسِ ① مَلِكِ النَّاسِ ② إِلَهِ النَّاسِ ③
مِنْ شَرِّ الْوَسْوَاسِ الْخَنَّاسِ ④ الَّذِي يُوَسْوِسُ فِي صُدُورِ النَّاسِ ⑤
مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ ⑥﴾

مَا يَجِبُ عَلَى الْمُسْلِمِ مَعْرِفَتُهُ:

जिस का ज्ञान अर्जित करना मुसलमान के ऊपर वाजिब है



مَنْ رَبُّكَ؟

तेरा रब कौन है?

رَبِّيَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ

मेरा रब अल्लाह तआला है



مَا دِينُكَ؟

तुम्हारा दीन (धर्म) क्या है?

دِينِي الْإِسْلَامُ

मेरा दीन इस्लाम है



مَنْ نَبِيِّكَ؟

तुम्हारा नबी कौन है?

نَبِيِّ مُحَمَّدٍ ﷺ

मेरे नबी मुहम्मद ﷺ हैं

أَقْرَأُ وَالْوَنُ:

रंग भरें

الله ربي

अल्लाह मेरा रब (पालनहार) है

الإسلام ديني

इस्लाम मेरा दीन (धर्म) है

محمد صلى الله عليه وسلم نبي

मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लाम
मेरे नबी हैं

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

डट लाई अक्षरहरूमा लेख्नुहोस् :

رَبِّيَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ

دِينِي الْإِسْلَامَ

نَبِي مُحَمَّد صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

मेरा रब अल्लाह है

मेरा दीन इसलाम है

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हैं

أَجِيبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

लिखित जवाफ दिनुहोस्:

مَنْ رَبُّكَ؟ رَبِّيَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ

مَا دِينُكَ؟ دِينِي الْإِسْلَامَ

مَنْ نَبِيُّكَ؟ نَبِي مُحَمَّد صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

तुम्हारा रब कौन है? मेरा रब अल्लाह है

तुम्हार दीन क्या है? मेरा दीन इसलाम है

तुम्हारे नबी कौन हैं? मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हैं

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ:

जोड़ें

तेरा रब
कौन है?

मेरा दीन
इस्लाम है

دِينِي الْإِسْلَامُ

مَنْ رَبُّكَ؟

तुम्हारा दीन
(धर्म) क्या है?

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु
अलैहि व सल्लम हैं

نَبِيِّ مُحَمَّدٍ ﷺ

مَا دِينُكَ؟

तुम्हारा
नबी कौन है?

मेरा रब अल्लाह
तआला है

رَبِّي اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ

مَنْ نَبِيُّكَ؟

أَرْتَبُ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

क्रमबद्ध करें

رَبِّي اللَّهُ

رَبُّكَ؟

مَنْ

عَزَّوَجَلَّ

دِينِي

مَا

دِينُكَ؟

الْإِسْلَامُ

مَنْ

نَبِيُّكَ؟

نَبِي

مُحَمَّدٌ ﷺ

तआला है

कौन है?

तेरा रब

मेरा रब
अल्लाह

इस्लाम

तेरा दीन

क्या है?

मेरा दीन

मुहम्मद सल्लल्लाहु
अलैहि व सल्लम हैं

मेरे नबी

तेरा नबी

कौन है?

اللّٰه خالق كل شيء

अल्लाह तआला ने हरेक चीज को पैदा किया है।



مَنْ خلقني؟

मुझे किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله



مَنْ خلق الناس؟

समस्त मानव को किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله



مَنْ خلق السماوات والأرض
والشمس والقمر؟

आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा
को किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله



مَنْ خلق الحيوانات والطيور؟

पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله

أَقْرَأْ وَأَلْوَنُ:

रंग भरें :

مَنْ خَلَقَنِي؟ اللَّهُ

مَنْ خَلَقَ النَّاسَ؟ اللَّهُ

مَنْ خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ

وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ؟ اللَّهُ

مَنْ خَلَقَ الْحَيَوَانَاتِ وَالطَّيْرَ؟ اللَّهُ

मुझे किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

लोगों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा को

किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने ।

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:
लिखें

مَنْ خَلَقَنِي؟ اللَّهُ. مَنْ خَلَقَ النَّاسَ؟ اللَّهُ.
مَنْ خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ، وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ؟ اللَّهُ.
مَنْ خَلَقَ الْحَيَوَانَاتِ وَالطَّيُورَ؟ اللَّهُ.

मुझे किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
लोगों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

أَجِبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:
जोड़ें

مَنْ خَلَقَنِي؟ اللَّهُ
مَنْ خَلَقَ النَّاسَ؟ اللَّهُ
مَنْ خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ؟ اللَّهُ
مَنْ خَلَقَ الْحَيَوَانَاتِ وَالطَّيُورَ؟ اللَّهُ

मुझे किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
लोगों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

أَصِلُ الْكَلِمَةَ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ:

اللّٰه	لأنني مسلم	الله
ألّٰهه	إلا الله	خلقني
ألّٰهه	الله	لا خالق
ألّٰهه	خالق كل شيء	أطيع الله الذي خلقني

أَرْتَبُ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ: क्रमबद्ध करें

الله	شيء	كل	خالق
پیدا کرنے والا	हर एक	चीज	अल्लाह



اللَّهُ يَرْزُقُنِي

अल्लाह तआला मुझे रिज़्क देता है



اللَّهُ يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ

अल्लाह तआला मुझे तथा समस्त प्राणियों को रिज़्क (जीविका) देता है



اللَّهُ يَرْزُقُ النَّاسَ

अल्लाह तआला सभी लोगों को रिज़्क देता है



اللَّهُ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ

अल्लाह तआला पशु पक्षियों को रिज़्क देता है

أَقْرَأُ وَأَلْوَنُ :
पढ़नुहोस र रंग भर्नुहोस :

اللَّهُ يَرْزُقُنِي
وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ
اللَّهُ يَرْزُقُ النَّاسَ
اللَّهُ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ

अल्लाह तआला मुझे रिज्क देता है
अल्लाह तआला मुझे तथा समस्त प्राणियों
को रिज्क (जीविका) देता है
अल्लाह तआला सभी लोगों को रिज्क देता है
अल्लाह तआला पशु पक्षियों को रिज्क देता है

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنَقَّطَةِ:

डटलाई अक्षरमा लेख्नुहोस्:

اللَّهُ يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ
اللَّهُ يَرْزُقُنِي - اللَّهُ يَرْزُقُ النَّاسَ
اللَّهُ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ

अल्लाह तआला मुझे तथा समस्त प्राणियों को रिज्क (जीविका) देता है
अल्लाह तआला मुझे रिज्क देता है
अल्लाह तआला सभी लोगों को रिज्क देता है
अल्लाह तआला पशु पक्षियों को रिज्क देता है

أَجِبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنَقَّطَةِ:

लिखित जवाब दिनुहोस्

مَنْ يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ؟ اللَّهُ

مَنْ يَرْزُقُنِي؟ اللَّهُ

مَنْ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ؟ اللَّهُ

مَنْ يَرْزُقُ النَّاسَ؟ اللَّهُ

मुझे तथा समस्त प्राणियों को रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

मुझे रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

पशु पक्षियों को रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

समस्त लोगों को रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ:

सहि अर्थ संग शब्द जोड़नुहोस :

अल्लाह ही

केवल
अल्लाह है

هو الله

الله

रज्जाक अर्थात
रिज्क देने वाला

अपने भोजन की
खोज में लगे रहते हैं

تسعى في البحث
عن طعامها

الرَّزَّاقُ

सभी प्राणी

मुझे तथा समस्त
प्राणियों को रिज्क देता है

يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ
جميع المخلوقات

المخلوقات

أَرْتَبُ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

निम्न शब्दहरूको अर्डर मिलाउनुहोस:

يَرْزُقُ

الْحَيَوَانَ

وَالطَّيْرِ

الله

يَرْزُقُنِي

جميع

المخلوقات

وَيَرْزُقُ

الله

अल्लाह

पक्षियों को

पशु

रिज्क देता है

अल्लाह

रिज्क देता है

प्राणी को

समस्त

मुझे रिज्क
देता है

إنه الله

निःसंदेह वह अल्लाह ही है



اللَّهُ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ
अल्लाह ही है जो आसमान
से पानी बरसाता है ।



اللَّهُ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ
अल्लाह ही है जो फसलें तथा पेड़
पौधे उगाता है ।



أَقُولُ عِنْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ: (اللَّهُمَّ صَيِّبًا نَافِعًا)
वर्षा के समय हमें यह दुआ पढ़नी चाहिए:
(अल्लाहुम्मा सैय्यिबन नाफिअन)



وَبَعْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ أَقُولُ
(مُطَرِّنَا بِفَضْلِ اللَّهِ وَرَحْمَتِهِ)
वर्षा हो जाने पश्चात हम यह दुआ पढ़ें:
(मुतरिना बिफजलिल्लाहि व रहमतहि)

أَقْرَأْ وَأَلُوْنُ:

اللَّهُ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ
اللَّهُ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ
أَقُولُ عِنْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ: (اللَّهُمَّ صَيِّبًا نَافِعًا)
وَبَعْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ أَقُولُ (مُطَرِّنَا بِفَضْلِ اللَّهِ وَرَحْمَتِهِ)

अल्लाह ही है जो आसमान से पानी बरसाता है ।
अल्लाह ही है जो फसलों तथा पेड़ - पौधे उगाता है ।
वर्षा के समय हमें यह दुआ पढ़नी चाहिए:

(अल्लाहुम्मा सैय्यिबन नाफिअन)

वर्षा हो जाने पश्चात हम यह दुआ पढ़ें:
(मुत्तारिना बिफजलिल्लाहि व रहमतहि)

اُكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

اللَّهُ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ
اللَّهُ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ

अल्लाह ही है जो आसमान से पानी बरसाता है ।

अल्लाह ही है जो फसलें तथा पेड़ - पौधे उगाता है ।

أَجِيبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

مَنْ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ؟ اللَّهُ مَنْ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ؟ اللَّهُ

कौन है जो आसमान से पानी बरसाता है । अल्लाह

कौन है जो फसलें तथा पेड़ - पौधे उगाता है । अल्लाह

ارْتَبِ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

اللَّهُ	مِنَ السَّمَاءِ	الْمَطَرَ	يُنْزِلُ	الَّذِي	
اللَّهُ	وَالْأَشْجَارَ	يُنْبِتُ	الَّذِي	الزَّرْعَ	
जो	बरसाता है	पानी	आसमान से	अल्लाह	
फसलें	जो	उगाता है	तथा पेड़ पौधे	अल्लाह	

اللَّهُ الْمُنْعِمُ

अल्लाह नेमत (नियामत) देने वाला है



اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ

अल्लाह ही है जिसने हमें आँख तथा कान जैसी नेमत दी है



اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

अल्लाह ही है जो हमें खिलाता पिलाता है



أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ
الْحَمْدُ لِلَّهِ، وَقَبْلَهُ أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

खाने तथा पीने के पूर्व हमें बिस्मिल्लाह तथा खाने एवं पीने के पश्चात अलहम्दुलिल्लाह कहना चाहिए



نِعْمُ اللَّهُ عَلَيْنَا كَثِيرَةٌ

अल्लाह ने हमें बहुतेरी नेमतें दी हैं

أَشْكُرُ اللَّهَ عَلَى نِعَمِهِ الْكَثِيرَةِ

अल्लाह की उन बहुतेरी नेमतों पर हम उसका शुक्र अदा करते हैं

أَقْرَأْ وَأَلُوْنُ:

اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ
اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالطَّعَامِ وَالشَّرَابِ
نُعَمُّ لِلَّهِ عَلَيْنَا كَثِيرَةً... أَشْكُرُ اللَّهَ عَلَى
نِعَمِهِ الْكَثِيرَةِ أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ الطَّعَامِ
وَالشَّرَابِ، الْحَمْدُ لِلَّهِ، وَقَبْلَهُ أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

अल्लाह ही है जिसने हमें आँख तथा कान जैसी नेमत दी है
अल्लाह ही है जो हमें खिलाता पिलाता है
अल्लाह ने हमें बहुतेरी नेमतें दी हैं
अल्लाह की उन बहुतेरी नेमतों पर हम उसका शुक्र अदा करते हैं
खाने तथा पीने के पूर्व हमें बिस्मिल्लाह तथा खाने
एवं पीने के पश्चात अलहमदुलिल्लाह कहना चाहिए

اَكْتُبْ عَلَى الْحُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالطَّعَامِ
وَالشَّرَابِ نِعْمَ اللَّهُ عَلَيْنَا كَثِيرَةً أَشْكُرُ اللَّهَ عَلَى نِعَمِهِ الْكَثِيرَةِ
أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ، الْحَمْدُ لِلَّهِ، وَقَبْلَهُ أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

अल्लाह ही है जिसने हमें आँख तथा कान जैसी नेमत दी है
अल्लाह ही है जो हमें खिलाता पिलाता है
अल्लाह ने हमें बहुतेरी नेमतें दी हैं
अल्लाह की उन बहुतेरी नेमतों पर हम उसका शुक्र अदा करते हैं
खाने तथा पीने के पूर्व हमें बिस्मिल्लाह तथा खाने एवं पीने के पश्चात अलहमदुलिल्लाह कहना चाहिए

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

अल्लाह ही है
जिसने हमें

बिस्मिल्लाह
कहना चाहिए

بِسْمِ اللَّهِ

اللَّهُ الَّذِي
أَنْعَمَ عَلَيْنَا

अल्लाह
ने हमें

आँख कान तथा खाने
पीने जैसी नेमतें दी हैं

بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ
وَالطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

نِعْمَ اللَّهُ عَلَيْنَا

खाने तथा पीने
के पूर्व हमें

बहुतेरी
नेमतें दी हैं

كَثِيرَةً

أَقُولُ قَبْلَ تَنَاوُلِ
الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

खाने तथा पीने
के पश्चात हमें

अलहमदुलिल्लाह
कहना चाहिए

الْحَمْدُ لِلَّهِ

أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ
الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

أَحِبُّ وَأَعْبُدُ اللَّهَ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ तथा उसी की उपासना करता हूँ



أُحِبُّ اللَّهَ لِأَنَّهُ هُوَ الَّذِي:
هَدَانِي، خَلَقَنِي، رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिज्क देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी हैं



أَعْبُدُ اللَّهَ وَحْدَهُ

मैं केवल एक अल्लाह की उपासना करता हूँ



أَدْعُو اللَّهَ وَحْدَهُ

मैं केवल एक अल्लाह से प्रार्थना करता हूँ



أُصَلِّي لِلَّهِ وَحْدَهُ

मैं केवल एक अल्लाह को प्रसन्न करने के लिए नमाज पढ़ता हूँ

خَلَقَنَا اللَّهُ لِعِبَادَتِهِ

अल्लाह तआला ने हमें अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

أَقْرَأْ وَأَلُؤُنْ:

أَحِبُّ اللّٰهَ لِأَنَّهُ هُوَ الَّذِي
هَدَانِي، خَلَقَنِي، رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ
أَحِبُّ اللّٰهَ وَحْدَهُ - أَدْعُو اللّٰهَ وَحْدَهُ
أَصْلِي لِلّٰهِ وَحْدَهُ - خَلَقْنَا اللّٰهَ لِعِبَادَتِهِ وَحْدَهُ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने: मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिक़्क देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी हैं
मैं केवल एक अल्लाह की उपासना करता हूँ
मैं केवल एक अल्लाह से प्रार्थना करता हूँ
मैं केवल एक अल्लाह को प्रसन्न करने के लिए नमाज़ पढ़ता हूँ
अल्लाह तआला ने हमें अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

اَكْتُبْ عَلَى الْحُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

أَحِبُّ اللَّهَ لِأَنَّهُ هُوَ الَّذِي

هَدَانِي، خَلَقَنِي، رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ

أَعْبُدُ اللَّهَ وَحْدَهُ - أَدْعُو اللَّهَ وَحْدَهُ

أُصَلِّي لِلَّهِ وَحْدَهُ - خَلَقْنَا لِلَّهِ لِعِبَادَتِهِ وَحْدَهُ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने: मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिज़ूक देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी हैं

मैं केवल एक अल्लाह की उपासना करता हूँ

मैं केवल एक अल्लाह से प्रार्थना करता हूँ

मैं केवल एक अल्लाह को प्रसन्न करने के लिए नमाज़ पढ़ता हूँ

अल्लाह तआला ने हमें अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने:

मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिजक देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी है

هَدَانِي، خَلَقَنِي
رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ

أَحْبُّ إِلَهٍ
لَأَنَّهُ هُوَ الَّذِي

उपासना करता हूँ

मैं केवल एक अल्लाह की

وَحْدَهُ

أَعْبُدُ إِلَهَ

अल्लाह तआला ने हमें केवल

अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

لِعِبَادَتِهِ

خَلَقَنَا إِلَهَ

أُجِيبُ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

مَنْ أَعْبُدُ؟ إِلَهَ

لِمَنْ أَصْلِي؟ أَصْلِي لِلَّهِ وَحْدَهُ

لِمَاذَا خَلَقَنَا اللَّهُ؟ خَلَقَنَا اللَّهُ لِعِبَادَتِهِ وَحْدَهُ

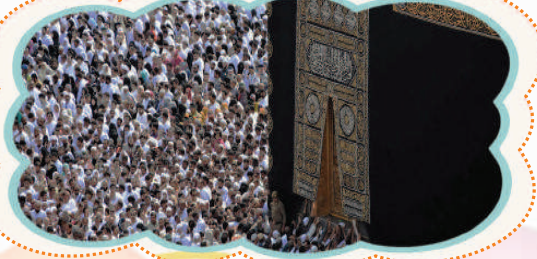
मैं किसकी इबादत करता हूँ ? अल्लाह

मैं किसके लिए नमाज पढ़ता हूँ ? अल्लाह

अल्लाह तआला ने हमें किस लिए पैदा किया है ? केवल अपनी इबादत के लिए

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ

अरकान -ए- इस्लाम



١- شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ
(مَعْنَاهَا: لَا مَعْبُودَ بِحَقِّ إِلَّا اللَّهُ)
وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ

(وَمُقْتَضَاهَا: تَصَدِيقُهُ فِيمَا أَخْبَرَ،
وَطَاعَتُهُ فِيمَا أَمَرَ، وَاجْتِنَابُ مَا نَهَى عَنْهُ
وَزَجْرُ، وَالْأَلَّا يُعْبَدَ اللَّهُ إِلَّا بِمَا شَرَعَ)

ला इलाहा इल्लल्लाह की गवाही देना (इसका अर्थ यह है कि अल्लाह के सिवाय कोई सच्चा उपास्य नहीं है), साथ ही इस बात की भी की गवाही देना कि मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अल्लाह के रसूल हैं (इसका ताकाज यह है कि: जिस चीज के विषय में आपने सूचना दी है उसमें आप की पुष्टि करना, जिस चीज के करने का आपने आदेश दिया है उस पर अमल करना, जिस को करने से आपने रोका है उससे रुक जाना, तथा केवल आपके बताए हुए ढंग के अनुसार अल्लाह की इबादत करना)।

٢- إِقَامُ الصَّلَاةِ

नमाज पढ़ना

٣- إِيْتَاءُ الزَّكَاةِ

जकात देना

٤- صَوْمُ رَمَضَانَ

रमजान के रोजे रखना

٥- حَجُّ الْبَيْتِ

खाना -ए- काबा का हज करना

أَقْرَأُ وَأَلُونُ:

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ
شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ
وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ
إِقَامُ الصَّلَاةِ - إِيْتَاءُ الزَّكَاةِ
صَوْمُ رَمَضَانَ - حَجُّ الْبَيْتِ

इस्लाम के अरकान:

- १- लाइलाहाइल्लल्लाह मुहम्मदुर्रसूलुल्लाह
सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमकी गवाही देना
- २- नमाजपढ़ना ३- जकातदेना
- ४- रमजान के रोजे रखना
- ५- खाना - ए- काबाकाहजकरना

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ: شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ، وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ،
إِقَامُ الصَّلَاةِ - إِيْتَاءُ الزَّكَاةِ، صَوْمُ رَمَضَانَ - حَجُّ الْبَيْتِ

इस्लाम के अरकान: १-लाइलाहाइल्लल्लाह मुहम्मदुरसूलुल्लाह
सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमकी गवाही देना
२-नमाजपढ़ना ३-जकातदेना ४-रमजान के रोजे रखना
५-खाना -ए- काबाकाहजकरना

أَصِلْ الْكَلِمَةَ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ	أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ	إِقَامِ	إِيْتَاءِ	صَوْمِ	حَجِّ
وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ	الصَّلَاةِ	رَمَضَانَ	الْبَيْتِ	خَمْسَةَ	الزَّكَاةِ
हज	रोजा	देना	पढ़ना	इस्लाम के अरकान	“लाइलाहाइल्लल्लाह” की गवाही देना
जकात	पांच	बैतुल्लाह	रमजान	नमाज	“मुहम्मदुरसूलुल्लाह” सल्लल्लाहुअलैहि वसल्लम की गवाही देना

ارْتَبِ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

حَجُّ الْبَيْتِ	الشهادتان	إِقَامِ الصَّلَاةِ	إِيْتَاءِ الزَّكَاةِ	صَوْمِ رَمَضَانَ
रमजान के रोजे रखना	जकात देना	नमाज पढ़ना	कलेमा -ए- तौहीद व कलेमा -ए- रिसालत की गवाही देना	हज करना

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ ईमान के अरकान



١- الْإِيمَانُ بِاللَّهِ

9-अल्लाह पर ईमान रखना

٢- الْإِيمَانُ بِالْمَلَائِكَةِ

२-फरिश्तों पर ईमान रखना

٣- الْإِيمَانُ بِالْكِتَابِ

३-किताबों पर ईमान रखना

٤- الْإِيمَانُ بِالرُّسُلِ

४-रसूलों पर ईमान रखना

٥- الْإِيمَانُ بِالْيَوْمِ الْآخِرِ

५-आखिरत के दिन पर ईमान रखना

٦- الْإِيمَانُ بِالْقَدَرِ

६-तकदीर पर ईमान रखना

أَقْرَأْ وَأَلُوْنُ:

أَرْكَانُ الْإِيْمَانِ

الْإِيْمَانُ بِاللّٰهِ - الْإِيْمَانُ بِالْمَلٰٓئِكَةِ

الْإِيْمَانُ بِالْكِتٰبِ - الْإِيْمَانُ بِالرُّسُلِ

الْإِيْمَانُ بِالْيَوْمِ الْآخِرِ - الْإِيْمَانُ بِالْقَدَرِ

ईमान के अरकान

अल्लाह पर ईमान रखना

फरिश्तों पर ईमान रखना

किताबों पर ईमान रखना

रसूलों पर ईमान रखना

आख़रित के दिन पर ईमान रखना

तक्दीर पर ईमान रखना

اَكْتُبْ عَلَى الْحُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

डट लाई अक्षरहरूमा लेख्नुहोस :

أركان الإيمان

الإيمان بالله - الإيمان بالملائكة - الإيمان بالكتب
الإيمان بالرسل - الإيمان باليوم الآخر - الإيمان بالقدر

ईमान के अरकान

अल्लाह पर ईमान रखना - फरिश्तों पर ईमान रखना
किताबों पर ईमान रखना - रसूलों पर ईमान रखना
आखिरत के दिन पर ईमान रखना - तकदीर पर ईमान रखना

أصل الكلمة بالمعنى الصحيح

अल्लाह पर ईमान रखना

الإيمان بالله

तकदीर पर ईमान रखना

الإيمان بالقدر

आखिरत के दिन पर
ईमान रखना

الإيمان باليوم الآخر

फरिश्तों पर ईमान रखना

الإيمان بالملائكة

किताबों पर ईमान रखना

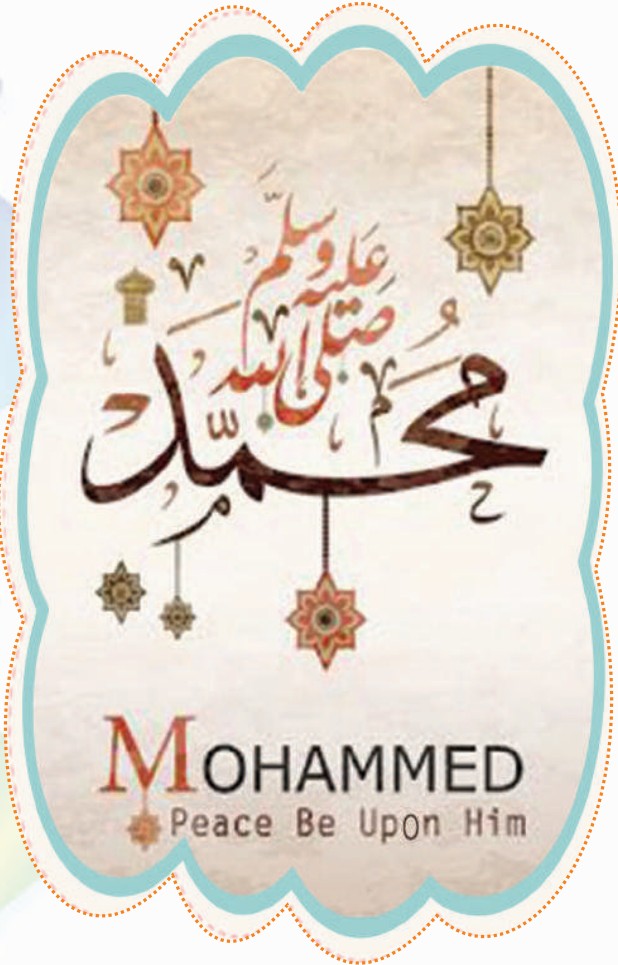
الإيمان بالكتب

रसूलों पर ईमान रखना

الإيمان بالرسل

نَبِيِّ مُحَمَّدٍ ﷺ

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम



من ذرية إبراهيم عليه السلام

आप इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वंश से हैं

أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَى نَبِينَا مُحَمَّدٍ ﷺ الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु
अलैहि व सल्लम पर कुरआन उतारा

بشر بنبوته وأمر بإتباعه موسى وعيسى عليهما السلام
आपकी नबूत की शुभ सूचना तथा आपकी पैरवी का
आदेश मूसा एवं ईसा अलैहिस्सलाम ने भी दिया था

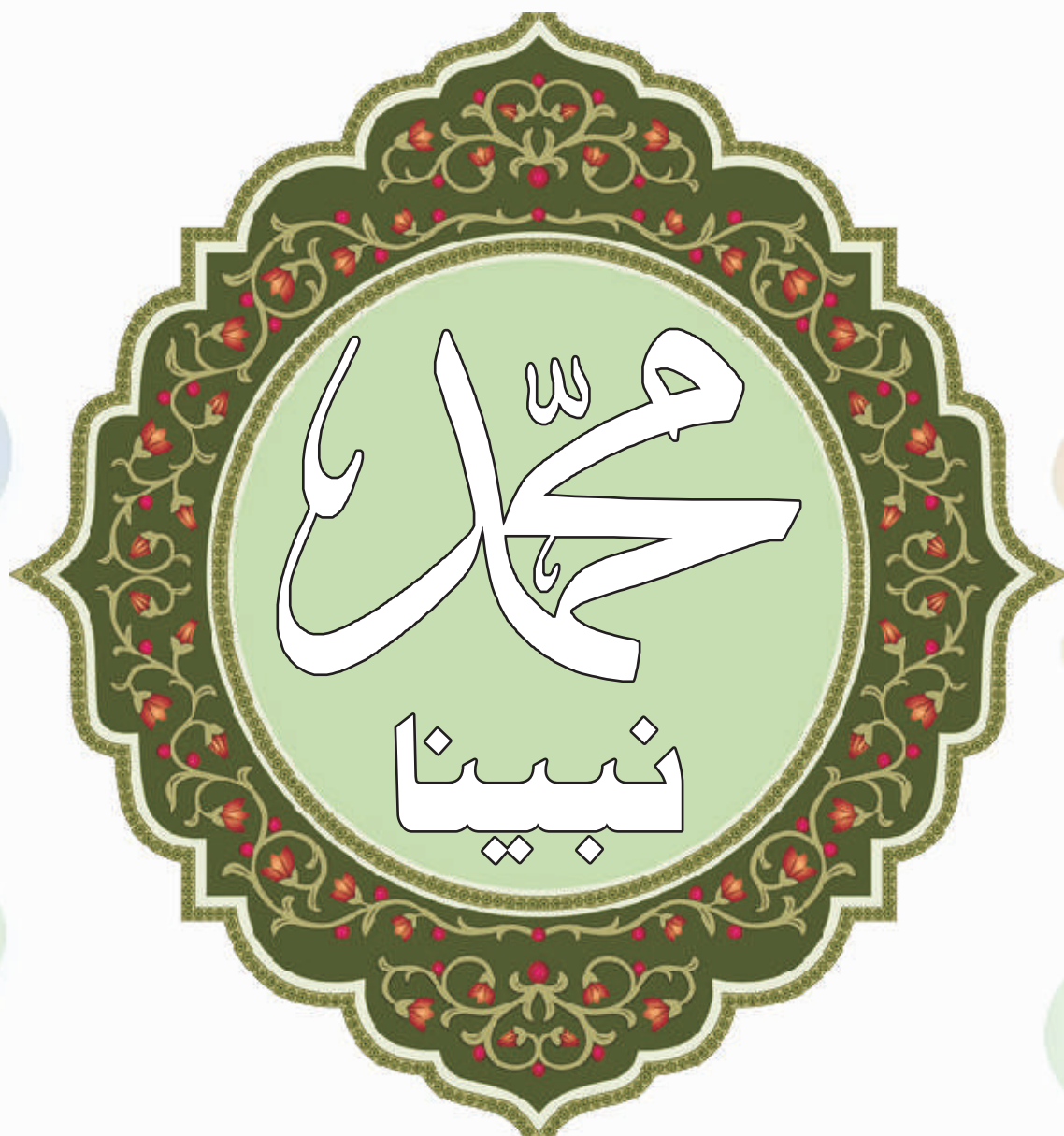
أَرْسَلَ اللَّهُ نَبِينَا مُحَمَّدًا ﷺ إِلَى النَّاسِ جَمِيعًا
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम
को समस्त लोगों के लिए नबी बना कर भेजा

يَدْعُوهُمْ إِلَى عِبَادَةِ اللَّهِ وَحْدَهُ
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम लोगों को
तौहीद अपनाने की दावत देते थे

مُحَمَّدٌ ﷺ بَشَرٌ مَخْلُوقٌ لَكِنَّهُ أَفْضَلُ الْبَشَرِ
وَأَخْرَ الْأَنْبِيَاءَ وَالرُّسُلَ
मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मानव हैं किंतु सबसे
अफजल व महान मानव हैं, एवं अंतिम नबी व रसूल हैं

مَنْ أَطَاعَهُ دَخَلَ الْجَنَّةَ
जिसने नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम
की पैरवी की वह जन्नत में जाएगा

أَحِبُّ نَبِيِّ مُحَمَّدًا ﷺ
मैं अपने नबी से अति प्रेम करता हूँ



صلى الله عليه وعلى آله وسلم

أَقْرَأْ وَأَلُؤُنْ:

مِنْ ذُرِّيَةِ إِبْرَاهِيمَ عَلَيْهِ السَّلَامُ
أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَيْهِ الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ - بِشَرِّبْنِيهِ
وَأَمْرًا بِاتِّبَاعِهِ مُوسَى وَحِيسَى عَلَيْهِمَا السَّلَامُ
أَرْسَلَهُ اللَّهُ إِلَى النَّاسِ جَمِيعًا - يَذْكُرُهُمْ إِلَى
عِبَادَةِ اللَّهِ وَخُدَّةٍ - أَفْضَلَ الْبَشَرِ وَآخِرَ الْأَنْبِيَاءِ
وَالرُّسُلِ - مَنْ أَطَاعَهُ دَخَلَ الْجَنَّةَ أَحَبُّ نَبِيٍّ مُخَمَّدًا

आप इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वंश से हैं
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर कुरआन उतारा
आपकी नबूवत की शुभ सूचना तथा आपकी पैरवी का आदेश मूसा
एवं ईसा अलैहिस्सलाम ने भी दिया था
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम
को समस्त लोगों के लिए नबी बना कर भेजा
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम लोगों को तौहीद अपनाने की दावत देते थे
मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मानव हैं किंतु सबसे
अफजल व महान मानव हैं, एवं अंतिम नबी व रसूल हैं
जिसने नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की पैरवी की वह जन्नत
में जाएगा, मैं अपने नबी से अति प्रेम करता हूँ

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

نَقُولُ عِنْدَ ذِكْرِ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
أَحِبُّ نَبِيِّ مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ - أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَيْهَا الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ

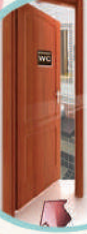
नबी का जिक्र करते समय हम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम कहते हैं
मैं अपने नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से प्रेम करता हूँ
अल्लाह तआला ने उन के ऊपर कुरआन-करीम नाजिल फरमाया

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	आपकी नबूत की शुभ सूचना तथा आपका आज्ञापालन करने का आदेश दिया था	مُوسَى وَعِيسَى عَلَيْهِمَا السَّلَام	نَبِيِّ مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
अल्लाह तआला ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर	केवल एक अल्लाह की उपासना करने की दावत देते थे	عِبَادَةَ اللَّهِ وَحْدَهُ	أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَيَّ نَبِيًّا مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
मूसा तथा ईसा अलैहिमस्सलाम ने भी	समस्त लोगों के लिए भेजा था	إِلَى النَّاسِ جَمِيعًا	بَشَرٍ بِنَبْوَةٍ وَأَمْرٍ بِاتِّبَاعِهِ
अल्लाह तआला ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को	कुरआन -ए- करीम नाजिल फरमाया	الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ	أَرْسَلَ اللَّهُ نَبِيًّا مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
जिसने आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का आज्ञापालन किया	इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वंश से हैं	مِنْ ذُرِّيَةِ إِبْرَاهِيمَ عَلَيْهِ السَّلَام	مَنْ أَطَاعَهُ عَلَيْهِ السَّلَام
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की दावत यह थी कि आप: लोगों को	सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ	دَعْوَتَهُ عَلَيْهِ السَّلَام: يَدْعُو النَّاسَ إِلَى
नबी के जिक्र के समय हम कहते हैं	वह जन्नत में प्रवेश पाएगा	دَخَلَ الْجَنَّةَ	نَقُولُ عِنْدَ ذِكْرِ النَّبِيِّ

الطَّهَارَةُ

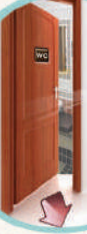
तहारत अर्थात पाकी व पवित्रता



بِسْمِ اللَّهِ
Bismillah

أَقُولُ قَبْلَ دُخُولِ الْحَمَامِ: بِسْمِ اللَّهِ

शौचालय जाने के पूर्व मैं :
बिस्मिल्लाह कहता हूँ



غُفْرَانُكَ
Ghufranak

وَأَقُولُ بَعْدَ الْخُرُوجِ: غُفْرَانُكَ

शौचालय से निकलने के पश्चात मैं :
गुफरानका कहता हूँ



أَنْظِفُ مَخْرَجَ الْبَوْلِ وَالْغَائِطِ بِالْمَاءِ
أَوْ بِمَنْدِيلِ بِيَدِي الْيُسْرَى

मल-मूत्र वाले स्थान को मैं पानी अथवा मिट्टी
अथवा टिशू पेपर से बाएं हाथ से साफ करता हूँ



أَنْظِفُ ثِيَابِي كُلَّمَا اتَّسَخَتْ

जब भी मेरा वस्त्र गंदा होता है
मैं उसे साफ कर लेता हूँ



أَقْلَمُ أَظْفَارِي كُلَّمَا طَالَتْ

जब भी मेरा नाखून बढ़
जाए मैं उसे काट लेता हूँ

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

بِالْمَاءِ أَوْ بِمَنْدِيلٍ
بِيَدِي الْيُسْرَى

غُفْرَانَكَ

طَالَتْ

اتَّسَخَتْ

بِسْمِ اللَّهِ

जब भी मेरा नाखून
बढ़ जाए तो

जब भी मेरा वस्त्र
गंदा होता है तो

शौचालय जाने के पूर्व मैं

शौचालय से निकलने
के पश्चात मैं

मल-मूत्र वाले स्थान को मैं

أَقْلَمُ أَظْفَارِي كُلَّمَا

أَنْظَفُ ثِيَابِي كُلَّمَا

أَقُولُ قَبْلَ دُخُولِ الْحَمَامِ:

وَأَقُولُ بَعْدَ الْخُرُوجِ

أَنْظِفُ مَخْرَجَ
الْبَوْلِ وَالْغَائِطِ

पानी अथवा मिट्टी अथवा टिशू पेपर
से बाएं हाथ से साफ करता हूँ

गुफरानका कहता हूँ

मैं उसे काट लेता हूँ

मैं उसे साफ कर लेता हूँ

बिस्मिल्लाह कहता हूँ

صفة الوُضوء

बुजू का तरीका व ढंग



أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

मैं बिरिमल्लाह कहता हूँ

أَغْسِلُ كَفَيَّ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपनी हथेली को तीन बार धोता हूँ



أَتَمَضْمَضُ وَأُسْتَنْشِقُ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं तीन बार कुल्ला करता हूँ तथा नाक में पानी डाल कर नाक झाड़ता हूँ

أَغْسِلُ وَجْهِي ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपने चेहरे को तीन बार धोता हूँ



أَغْسِلُ يَدَيَّ مِنْ أَطْرَافِ الْأَصَابِعِ إِلَى الْمِرْفَقَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपने हाथ को उँगली से ले कर कोहनी तक तीन बार धोता हूँ

أُمْسَحُ رَأْسِي مَعَ أُذُنِي مَرَّةً وَاحِدَةً

मैं अपने सिर का कान सहित एक बार मसह करता हूँ



أَغْسِلُ رِجْلَيَّ إِلَى الْكَعْبَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपने पाँव को टखना तक तीन बार धोता हूँ

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

أَغْسِلُ رِجْلِي إِلَى الْكَعْبَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	١
أَمْسَحُ رَأْسِي مَعَ أُذُنِي مَرَّةً وَاحِدَةً	٢
أَغْسِلُ وَجْهِي ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٣
أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ	٤
أَتَمَضْمَضُ وَأَسْتَنْشِقُ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٥
أَغْسِلُ كَفَّيَّ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٦
أَغْسِلُ يَدَيَّ مِنْ أَطْرَافِ الْأَصَابِعِ إِلَى الْمِرْفَقَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٧

٩	مैं अपने पाँव को टखना तक तीन बार धोता हूँ
२	मैं अपने सिर का कान सहित एक बार मस्ह करता हूँ
३	मैं अपने चेहरे को तीन बार धोता हूँ
४	मैं बिरिमल्लाह कहता हूँ
५	मैं तीन बार कुल्ला करता हूँ तथा नाक में पानी डाल कर नाक झाड़ता हूँ
६	मैं अपनी हथेली को तीन बार धोता हूँ
७	मैं अपने हाथ को उँगली से ले कर कोहनी तक तीन बार धोता हूँ

نَوَاقِضُ الْوُضُوءِ

वुजू को तोड़ने वाली चीजें



الخارج من السَّبِيلَيْنِ (البول - الغائط - الريح)
अगाड़ी-पछाड़ी से निकले वाली चीजें (पेशाब - पैखाना - पाद)

النَّوْمُ
नींद



أَكْلُ لَحْمِ الْأَبْلِ
उँट का गोश्त खाना

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

अगाड़ी पछाड़ी से
निकले वाली चीजें

उँट का

الْأَبْلِ

الخارج من
السَّبِيلَيْنِ

गोश्त खाना

पेशाब-पैखाना-पाद

البول - الغائط
الريح

أَكْلُ لَحْمِ

ارْتَبِ الْأَفْعَالَ التَّالِيَةَ

☐ मैं नमाज पढ़ता हूँ
 ☐ मैं वुजू करता हूँ
 ☐ मैं इस्तिंजा करता हूँ
 ☐ أَسْتَنْجِي
 ☐ أَتَوَضَّأُ
 ☐ أَصَلِّي

صفة الغُسل स्नान (नहाने) का तरीका

सर्वप्रथम नहाने तथा नापाकी दूर करने की नीयत करना, तत्पश्चात बिसमिल्लाह कहना, फिर कुल्ला तथा नाक झाड़ने समेत समस्त शरीर पर पानी बहाना और बाल हल्का होअथवा घना उसकी जड़ तक अच्छे से पानी पहुँचाना

أن ينوي الغسل بقلبه، ثمَّ يسمِّي الله تعالى، ثمَّ يعمِّم جميع البدن وما تحت الشعور الخفيفة والكثيفة بالماء مع المضمضة والاستنشاق.

الصَّلَوَاتُ الْمَفْرُوضَةُ फर्ज नमाजें

إلى طلوع الشمس



من طلوع الفجر الثاني



صَلَاةُ الْفَجْرِ، رَكْعَتَانِ.

फज्र की नमाज: दो रकअत है

صَلَاةُ الظُّهْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

जुह की नमाज: चार रकअत है

إلى أن يصير ظل كل شيء مثله



من زوال الشمس



صَلَاةُ الظُّهْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

जुह की नमाज: चार रकअत है

إلى أن يصير ظل كل شيء مثله



من خروج وقت الظهر



صَلَاةُ الْعَصْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

अस्र की नमाज: चार रकअत है

صَلَاةُ الْمَغْرِبِ، ثَلَاثُ رَكْعَاتٍ.

मगरिब की नमाज: तीन रकअत है

إلى أن يغيب الشفق الأحمر



من غروب الشمس



إلى نصف الليل



مغيب الشفق الأحمر



صَلَاةُ الْعِشَاءِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

इशा की नमाज: चार रकअत है

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

फर्ज नमाजें	फज्र	الفجر	الصَّلَاةُ الْمَفْرُوضَةُ
मैं दिन का आरंभ नमाज से करता हूँ	दो रकअत है	رَكْعَتَانِ	أَبْدَأُ كُلَّ يَوْمٍ بِصَلَاةٍ
फज्र की नमाज	तीन रकअत ह	ثَلَاثُ رَكْعَاتٍ	صَلَاةُ الْفَجْرِ
मगरिब की नमाज	चार रकअत है	أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ	صَلَاةُ الْمَغْرِبِ
जुह, अस्त्र तथा मगरिब की नमाज	पाँच हैं	خَمْسَةٌ	صَلَاةُ الظُّهْرِ وَالْعَصْرِ وَالْعِشَاءِ

ارْتَبِ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

☐	जुह की नमाज: चार रकअत है	صَلَاةُ الظُّهْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	मगरिब की नमाज: तीन रकअत है	صَلَاةُ الْمَغْرِبِ، ثَلَاثُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	अस्त्र की नमाज: चार रकअत है	صَلَاةُ الْعَصْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	इशा की नमाज: चार रकअत है	صَلَاةُ الْعِشَاءِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	फज्र की नमाज: दो रकअत है	صَلَاةُ الْفَجْرِ، رَكْعَتَانِ.	☐

صفة الصلاة नमाज का तरिका





أَسْتَقْبِلُ الْقِبْلَةَ قَائِمًا

मैं क़िब्ला की ओर मुँह करके खड़ा होता हूँ

أَكْبَرُ تَكْبِيرَةَ الْإِحْرَامِ قَائِلًا: (اللَّهُ أَكْبَرُ)

मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए
तकबीर -ए- तहरीमा कहता हूँ



أَضَعُ يَدَيَّ الْيُمْنَى عَلَى الْيُسْرَى عَلَى صَدْرِي

मैं दाहिने हाथ को बाएं हाथ पर रखते
हुए उसे सीने पर रखता हूँ

أَقْرَأُ دُعَاءَ الْاِسْتِفْتَاَحِ: (سُبْحَانَكَ اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ،
وَتَبَارَكَ اسْمُكَ وَتَعَالَى جَدُّكَ، وَلَا إِلَهَ غَيْرُكَ)

मैं दुआ -ए- इस्तिफताह पढ़ता हूँ (सुबहानक अल्लाहुम्मा व
बिहम्दिका, तबारक इस्मुका व तआला जहुका व ला इलाहा गैरुका)





أَقْرَأُ الْفَاتِحَةَ (أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ (١) الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ
 (٢) الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ (٣) مَالِكِ يَوْمِ الدِّينِ (٤) إِيَّاكَ
 نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ (٥) اهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ
 (٦) صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ
 وَلَا الضَّالِّينَ (٧) - ثم أقول (آمين) ثم أقرأ مما أحفظ من القرآن.

مैं सूरह फातिहा पढ़ता हूँ:

बिस्मिल्ला हिररहमानिररहीम (१) अल्हम्दु लिल्लाहि
 रब्बिल आलमीन (२) अररहमानिररहीम (३) मालिकि
 यौमिद्दीन (४) इय्याका न अबुदु व इय्याका न स्तईन
 (५) इहदिनस सरीतल मुस्तकीम (६) सरीतल
 लजीना अनअम्ता अलैहिम गैरिल मगजूबि अलैहिम
 वलज्जाल्लीन (७), फिर उसके बाद कुरआन की
 कोई सूरत या आयत पढ़ता हूँ जो मुझे याद हो

أَقُولُ: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَرْكَعُ وَأَقُولُ: (سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيمِ)

६-मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए रुकूअ करता हूँ
 और रुकूअ में (सुब्हान रब्बिल अजीम) पढ़ता हूँ





أَقُولُ حَالِ رَفْعِي مِنَ الرُّكُوعِ: (سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ)
ثم أَقُولُ وَأَنَا قَائِمٌ: (رَبَّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ)
मैं रुकूअ से उठते समय (समिअल्लाहु लिमन हमिदहु) कहता हूँ
खड़े होने के बाद (रब्बना वलकल हम्द) कहता हूँ

أَقُولُ: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَسْجُدُ، وَأَقُولُ: (سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى)
मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए सज्दा करता हूँ और
सज्दा में (सुब्हान रब्बियल आला) कहता हूँ



أَعْتَدِلُ قَائِلًا: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَجْلِسُ عَلَى قَدَمِي الْيُسْرَى
وَأَنْصِبُ الْيُمْنَى، وَأَقُولُ: (رَبِّ اغْفِرْ لِي)
मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए एतदाल अर्थात समता के साथ अपने
बाएं पाँव पर बैठ जाता हूँ तथा दाएँ पाँव को खड़ा रखता हूँ, और
दोनों सज्दों के बीच में यह दुआ पढ़ता हूँ (रब्बिगफिरली)

أَقُولُ: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَسْجُدُ ثَانِيَةً، وَأَقُولُ: (سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى)
मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए दूसरा सज्दा करता हूँ
तथा सज्दा में यह दुआ पढ़ता हूँ (सुब्हान रब्बियल आला)



أَقُومُ لِلرُّكْعَةِ الثَّانِيَةِ قَائِلًا: (اللَّهُ أَكْبَرُ)،
وَأَفْعَلُ فِيهَا مِثْلَ مَا فَعَلْتُهُ فِي الرُّكْعَةِ الْأُولَى
मैं इसके पश्चात (अल्लाहु अकबर) कहते हुए दूसरी रकअत के लिए खड़ा हो जाता हूँ,
और दूसरी रकअत में उसी प्रकार करता हूँ जिस प्रकार से पहली रकअत में किया था

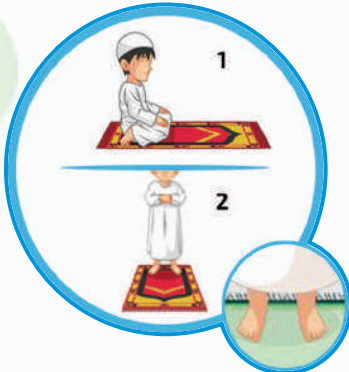


أَجْلِسُ بَعْدَ الرَّكْعَةِ الثَّانِيَةِ لِلتَّشْهِيدِ الْأَوَّلِ، وَأَقُولُ: (التَّحِيَّاتُ لِلَّهِ وَالصَّلَوَاتُ وَالطَّيِّبَاتُ السَّلَامُ عَلَيْكَ أَيُّهَا النَّبِيُّ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَكَاتُهُ السَّلَامُ عَلَيْنَا وَعَلَى عِبَادِ اللَّهِ الصَّالِحِينَ، أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ).

मैं दूसरी रकअत सम्पूर्ण करने के पश्चात प्रथम तशहूद के लिए बैठता हूँ और यह पढ़ता हूँ (अत्तहीय्यातु लिल्लाहि वस्सलवातु वत्तैयिबातु अस्सलामु अलैका अय्युहन्नबीय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिससालिहीन, अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहु

إِنْ كَانَتِ الصَّلَاةُ ثَنَائِيَّةً ذَاتَ رَكَعَتَيْنِ أَقْرَأُ
الصَّلَاةَ الْإِبْرَاهِيمِيَّةَ، ثُمَّ أَسْلَمُ.

नमाज यदि केवल दो रकअत वाली हो तो मैं
दरुद पढ़ कर सलाम फेर देता हूँ



وَإِنْ كَانَتِ الصَّلَاةُ ثَلَاثِيَّةً أَوْ رُبَاعِيَّةً أَقُومُ لِلرَّكْعَةِ الثَّالِثَةِ،
وَأَفْعَلُ فِي بَقِيَّةِ صَلَاتِي مِثْلَ مَا فَعَلْتُهُ فِي الرِّكَعَتَيْنِ
السَّابِقَتَيْنِ وَأَقْتَصِرُ عَلَى قِرَاءَةِ الْفَاتِحَةِ.

किंतु नमाज यदि तीन अथवा चार रकअत वाली हो तो पहले तशहूद के बाद तीसरी रकअत के लिए खड़ा होता हूँ और जिस प्रकार से प्रथम दो रकअत नमाज पढ़ी थी उसी प्रकार से बाकी नमाजें भी पढ़ता हूँ, अलबत्ता इसमें केवल सूरह फातिहा ही पढ़ता हूँ कोई दूसरी सूरत नहीं



أَجْلِسْ فِي آخِرِ صَلَاتِي وَأَقْرَأِ التَّشَهُّدَ الْآخِرَ، وَأَصَلِّ عَلَى النَّبِيِّ ﷺ قَائِلًا: (اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِ مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ عَلَى آلِ إِبْرَاهِيمَ إِنَّكَ حَمِيدٌ مَجِيدٌ، اللَّهُمَّ بَارِكْ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِ مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ عَلَى آلِ إِبْرَاهِيمَ إِنَّكَ حَمِيدٌ مَجِيدٌ)

अंतिम रकअत पूर्ण करने के पश्चात मैं तशहहुद के लिए बैठता हूँ और तशहहुद वाली दुआ पढ़ने के पश्चात नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर दरूद भेजता हूँ (अल्लाहुम्मा सल्ले अला मुहम्मद व अला आले मुहम्मद कमा सल्लैता अला आले इब्राहीम इन्नका हमीदुम्मजीद, अल्लाहुम्मा बारिक अला मुहम्मद व अला आले मुहम्मद कमा बारकता अला आले इब्राहम इन्नका हमीदुम्मजीद)

أُسَلِّمُ عَنْ يَمِينِي قَائِلًا: (السَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللَّهِ)
وَعَنْ يَسَارِي قَائِلًا: (السَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللَّهِ)

मैं यह कहते हुए दाहिनी ओर सलाम फेरता हूँ (अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाह) तथा बाएं ओर भी यह कहते हुए सलाम फेरता हूँ ((अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाह))



مُبْطَلَاتُ الصَّلَاةِ

नमाज को बातलि अर्थात खराब करने वाली चीजें

बात - चीत करना

खाना - पीना

हँसना

अत्याधिक हिलना - डुलना

वुजू को तोड़ने वाली चीजों (पेशाब-पैखाना-पाद) (انتقاضُ الوُضوءِ (بول - غائط - ريح)

الكلام

الأكلُ أو الشُّرب

الضحك

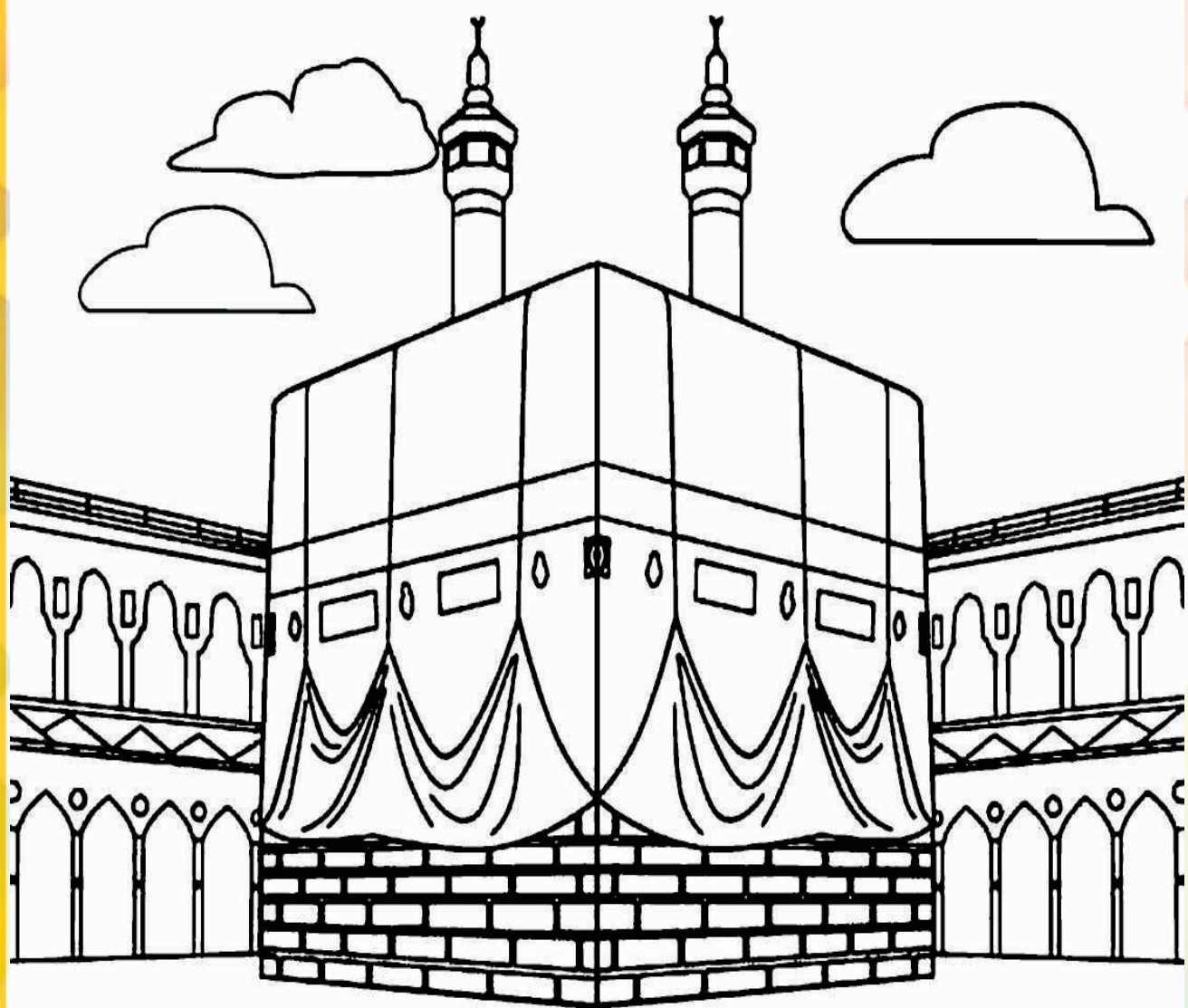
الحركةُ الكثيرة

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

مैं तकबरी -ए- तहरीमा में	(सुब्हान रब्बियल अजीम) कहता हूँ	سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيمِ	أَقُولُ فِي تَكْبِيرَةِ الْإِحْرَامِ
मैं रुकूअ में	(समिअल्लाहु लिमन हमिदहू) कहता हूँ	سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ	أَقُولُ فِي الرُّكُوعِ
मैं सज्दा में	(अल्लाहु अकबर) कहता हूँ	اللَّهُ أَكْبَرُ	أَقُولُ فِي السُّجُودِ
मैं दो सज्दों के बीच में	(सुब्हान रब्बियलु आला) कहता हूँ	سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى	أَقُولُ بَيْنَ السُّجُودَيْنِ
मैं रुकूअ से उठते समय	(रब्बिगफिरली)	رَبِّ اغْفِرْ لِي	أَقُولُ فِي الرَّفْعِ مِنَ الرُّكُوعِ

दुआ-ए-इस्तिफताह पढ़ी जाएगी	प्रत्येक रकअत में	كل ركعة	يُقْرَأُ دُعَاءُ الْإِسْتِغْفَارِ فِي الرُّكْعَةِ
सूरह फातिहा पढ़ी जाएगी	दूसरी रकअत के बाद	الثانية	تَقْرَأُ الْفَاتِحَةَ فِي
प्रथम तशहहुद पढ़ा जाएगा	सबसे अंतिम रकअत के बाद	الأخيرة	الشَّهَادَةِ الْأُولَى يَكُونُ فِي الرُّكْعَةِ
मैं अंतिम तशहहुद पढ़ता हूँ	पहली रकअत में	الأولى	أَقْرَأُ الشَّهَادَةَ الْآخِرَةَ بَعْدَ الرُّكْعَةِ

फज्र की नमाज में			صَلَاةُ الْفَجْرِ
जुह की नमाज में			صَلَاةُ الظُّهْرِ
अस्र की नमाज में	दो तशहहुद हैं	تَشَهُدَانِ	صَلَاةُ الْعَصْرِ
मगरिब की नमाज में	एक तशहहुद है	تشهد واحد	صَلَاةُ الْمَغْرِبِ
इशा की नमाज में			صَلَاةُ الْعِشَاءِ



هيا نتعلم اللغة العربيّة (المستوى الأوّل)

चलो अरबी भाषा सीखें (स्तर I)

تأليف ومراجعة:
هيثم بن محمّد سرحان
المدرّس بمعهد الحرم بالمسجد النبويّ - سابقاً -
والمشرف على معهد السُّنّة

alsarhaan.com

غفر الله له ولوالديه ولمن أعانه على إخراج هذا الكتاب



الطبعة الأولى
جميع الحقوق محفوظة
إلا من أراد طبعه أو ترجمته لتوزيعه مجاناً
(بعد مراجعة المؤلف)

الرجاء التّواصل على:

alsarhaan.com

فسح وزارة الإعلام



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

ملخص حروف الهجاء – بخط النسخ

अरबी भाषा में 28 अक्षर हैं। प्रत्येक अक्षर का अपना एक चित्र, एक नाम और एक ध्वनि होती है। निम्न में इसका विवरण है:

عَدَدُ الْحُرُوفِ «٢٨» حَرْفًا، وَكُلُّ حَرْفٍ لَهُ رَسْمٌ وَاسْمٌ وَصَوْتُ، وَبَيَانُ ذَلِكَ كَمَا يَلِي:

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ضَ	ज़ाद	ضَادٌ	ض
طَ	ता	طَاءٌ	ط
ظَ	ज़ा	ظَاءٌ	ظ
عَ	ऐन	عَيْنٌ	ع
غَ	ग़ैन	غَيْنٌ	غ
فَ	फ़ा	فَاءٌ	ف
قَ	क़ाफ़	قَافٌ	ق
كَ	काफ़	كَافٌ	ك
لَ	लाम	لَامٌ	ل
مَ	मीम	مِيمٌ	م
نَ	नून	نُونٌ	ن
هَ	हा	هَاءٌ	ه
وَ	वाव	وَائٌ	و
يَ	या	يَاءٌ	ي

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ا*	अलिफ़	أَلِفٌ	ا
بَ	बा	بَاءٌ	ب
تَ	ता	تَاءٌ	ت
ثَ	सा	ثَاءٌ	ث
جَ	जीम	جِيمٌ	ج
حَ	हा	حَاءٌ	ح
خَ	खा	خَاءٌ	خ
دَ	दाल	دَالٌ	د
ذَ	ज़ाल	ذَالٌ	ذ
رَ	रा	رَاءٌ	ر
زَ	ज़ा	زَايٌ	ز
سَ	सीन	سَيْنٌ	س
شَ	शीन	شَيْنٌ	ش
صَ	साद	صَادٌ	ص

ملخص حروف الهجاء – بخط النسخ

जिस प्रकार से एक अरबी शब्द लिखा जाता है वह शब्द के भीतर उसकी स्थिति के अनुसार रूप बदलता है:

تُخْتَلِفُ كِتَابَةُ الْحَرْفِ فِي اللُّغَةِ الْعَرَبِيَّةِ بِحَسَبِ مَوْقِعِهِ مِنَ الْكَلِمَةِ:

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़े	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ने के बाद	وسط الكلمة मध्य में	أول الكلمة आरंभ में
ض	ض	ض	ض
ط	ط	ط	ط
ظ	ظ	ظ	ظ
ع	ع	ع	ع
غ	غ	غ	غ
ف	ف	ف	ف
ق	ق	ق	ق
ك	ك	ك	ك
ل	ل	ل	ل
م	م	م	م
ن	ن	ن	ن
ه	ه	ه	ه
و	و	و	و
ي	ي	ي	ي

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़े	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ने के बाद	وسط الكلمة मध्य में	أول الكلمة आरंभ में
ا	ا	ا	ا
ب	ب	ب	ب
ت/ة	ت/ة	ت	ت
ث	ث	ث	ث
ج	ج	ج	ج
ح	ح	ح	ح
خ	خ	خ	خ
د	د	د	د
ذ	ذ	ذ	ذ
ر	ر	ر	ر
ز	ز	ز	ز
س	س	س	س
ش	ش	ش	ش
ص	ص	ص	ص

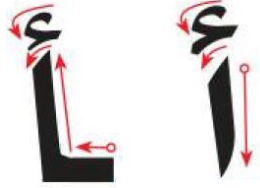
الدَّرْسُ الأوَّل - حرف الألف

آخر الكلمة منفصلاً أنت में बिना जुड़े	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ने के बाद	وسط الكلمة मध्य में	أوَّل الكلمة आरंभ में
ا	ل	ل	ا

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ا*	अलिफ़	ألف	ا

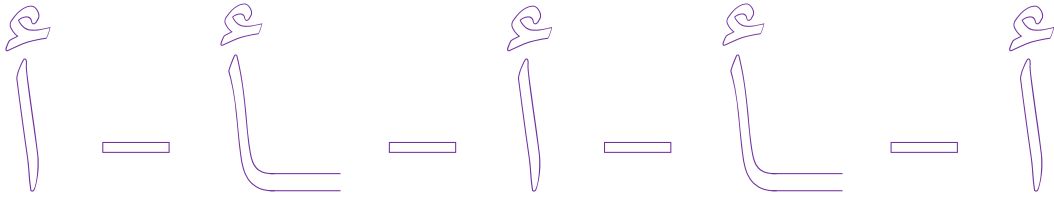
✽ अक्षर कैसे लिखा जाता है:

✽ كَيْفَ أُرْسِمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ और उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



.....

.....

الدَّرْسُ الْأَوَّلُ – حَرْفُ الْأَلِفِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ا	ا	ا	ا	ا	ا	ا
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ا) ثُمَّ أَكْتُبْهُ:

✽ में अक्षर (ا) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

أَسَدٌ	فَأْسٌ	أَرْضٌ	أَزْرَقٌ	قَرَأٌ
أَسَدُ	فَأْسُ	أَرْضُ	أَزْرَقُ	قَرَأُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

أَرْبُ	نَشَأُ	رَأْسُ	الْأَسَدُ	كِتَابُ
رَبْ...	نَشْ...	رَس...	السَّدْ...	كِتَب...

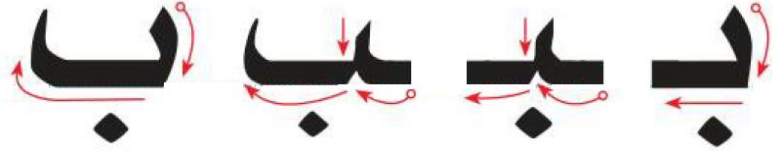
الدَّرْسُ الثَّانِي – حَرْفُ الْبَاءِ

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة مध्य में	أَوَّل الكلمة आरंभ में
ب	ب	ب	ب

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
بَ	बा	بَاءٌ	ب

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَالْوَنَّهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ब ब ब ब ब ब ब

ب ب ب ب ب ب ب

.....

.....

الدَّرْسُ الثَّانِي – حَرْفُ الْبَاءِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ب	ب	بَاءٌ	ب	ب	ب	ب
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ب) ثُمَّ اكْتُبْ الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ب) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

بَابٌ	أَبٌ	بَابَا	بَابُ	أَبٌ
بَابٌ	أَبٌ	بَابَا	بَابُ	أَبٌ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

بَحْرٌ	جَبَلٌ	كِتَابٌ	ذَهَبٌ	يَتَعَدُّ
بحر...	جبل...	کتاب...	ذهب...	ی...تعد

الدَّرْسُ الثَّالِثُ – حَرْفُ النَّاءِ

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة मध्य में	أول الكلمة आरंभ में
ت/ة	ت/ة	ت	ت

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ت	ता	تاء	ت

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ت ت ت ت ت ت

ت ت ت ت ت ت

.....

.....

الدَّرْسُ الثَّالِثُ – حَرْفُ النَّاءِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ت	ت	ت	ت	تاء	ة
---	---	---	---	-----	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ت) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (त) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

تَابَ	بَاتَ	أَبَتْ	تَبَّ	بَتَاتُ
تَابَ	بَاتَ	أَبَتْ	تَبَّ	بَتَاتُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

تُوتُ	بُسْتَانُ	مُفِيدَةُ	سَلَّةٌ	أُرْتَبُ
تु...و...	बु...स्तान	मु...फ़िद...	स...ल...	अ...र...ब...

الدَّرْسُ الرَّابِعُ – حَرْفُ النَّاءِ

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة مध्य में	أول الكلمة आरंभ में
ث	ث	ث	ث

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ث	सा	ثَاءُ	ث

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ث ث ث ث ث ث ث

ث ث ث ث ث ث ث

.....

.....

الدَّرْسُ الرَّابِعُ – حَرْفُ النَّاءِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	---------------------	---------------------	--------------------	--------------------------------	----------------------------------

ث	ث	ث	ثَاءٌ	ث	ث	ث
---	---	---	-------	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ث) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ث) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ثَبَّتْ	بَثَّتْ	بَثَّ	تَبَثُّ	أَبَثُّ
تَبَّتْ	بَثَّتْ	بَثَّ	تَبَثُّ	أَبَثُّ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

ثَوْبٌ	مِثَالٌ	مِثْلٌ	أَثَاثٌ	ثَلَاثَةٌ
ثَوْبٌ	مِثَالٌ	مِثْلٌ	أَثَاثٌ	ثَلَاثَةٌ
.....				
.....				

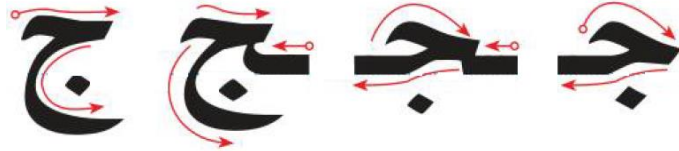
الدَّرْسُ الْخَامِسُ – حَرْفُ الْجِيمِ

أَوَّلُ الكلمة آرंभ में	وَسْطُ الكلمة مध्य में	آخِرُ الكلمة مُتَّصِلًا أंत में जुड़ा हुआ	آخِرُ الكلمة مُنْفَصِلًا अंत में बिना जुड़ा हुआ
ج	ج	ج	ج

صَوْتُهُ	اسْمُهُ		رِسْمُ الحرف
	हिंदी	عربي	
ج	जीम	جيم	ج

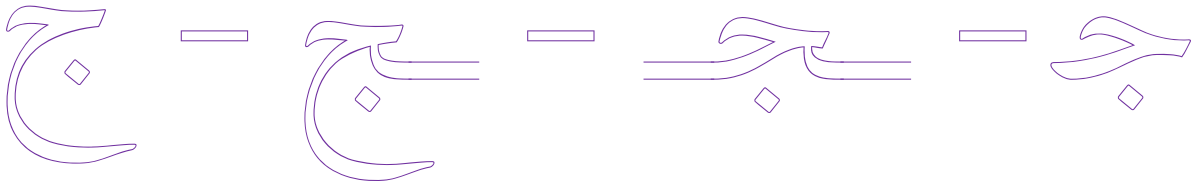
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



.....

.....

الدَّرْسُ الْخَامِسُ – حَرْفُ الْجِيمِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ
مُنْفَصِلًا	مُتَّصِلًا	مُنْفَصِلًا	مُتَّصِلًا	مُنْفَصِلًا	مُتَّصِلًا

ج	ج	ج	ج	ج	ج	ج
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ج) ثُمَّ اكْتُبْ الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ج) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

جَابَ	أَجَبُ	جَاءَتْ	جُبْتُ	جُبُّ
جَابَ	أَجَبُ	جَاءَتْ	جُبْتُ	جُبُّ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلْ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

جَمَلٌ	مَسَاجِدُ	فَجَلُ	زَجَاجُ	مُتَوَهِّجُ
جَمَلٌ	مَسَاجِدُ	فَجَلُ	زَجَاجُ	مُتَوَهِّجُ
.....				
.....				

الدَّرْسُ السَّادِسُ – حرف الحاء

أول الكلمة الکلمة آرंभ में	وسط الکلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ح	ح	ح	ح

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ح	हा	حَاء	ح

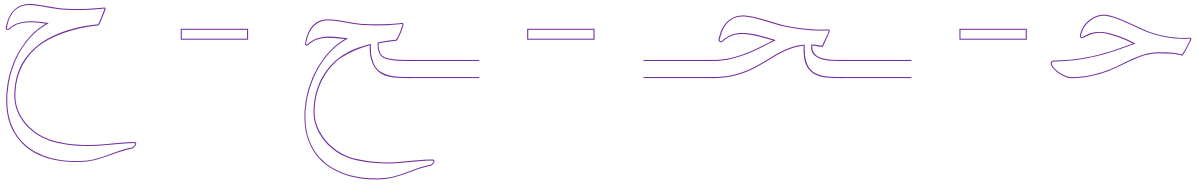
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَالْوَنَّهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



.....

.....

الدَّرْسُ السَّادِسُ – حرف الحاء

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ح	ح	حَاءُ	ح	ح	ح	ح
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ح) ثُمَّ أَكْتُبُ الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (ح) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

حَجَّ	تَحَبُّ	حَاجَّ	حُجَّاجُ	بَاحُ
حَجَّ	تَحَبُّ	حَاجَّ	حُجَّاجُ	بَاحُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

رَحْلَةٌ	تَمْسَاحُ	لَحِقَ	يَسْبَحُ	بُحَيْرَةٌ
ر...لة	ت...سا	ل...ق	ي...ب...	ب...يرة

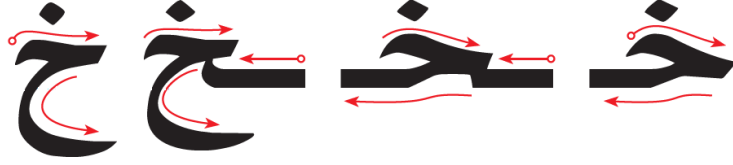
الدَّرْس السَّابِع – حرف الخاء

أول الكلمة الکلمة آرंभ में	وسط الکلمة مध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
خ	خ	خ	خ

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
خ	खा	خَاءٌ	خ

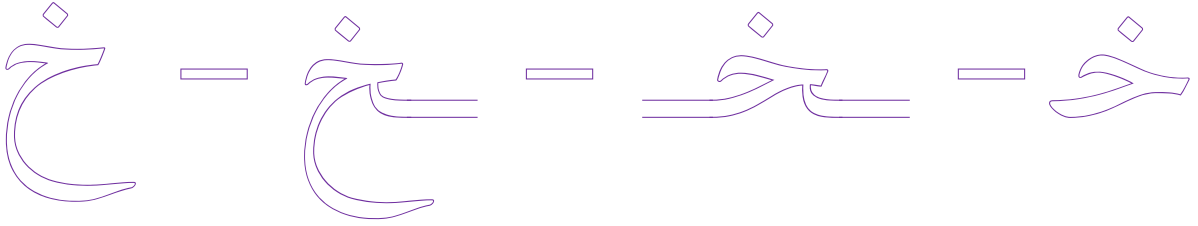
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَالْوَنَّهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



.....

.....

الدَّرْسُ السَّابِعُ – حَرْفُ الْخَاءِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

خ	خ	خَاءُ	خ	خ	خ	خ
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (خ) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (خ) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

خَبَابٌ	خَبَابٌ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ
خَبَابٌ	خَبَابٌ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ	بَخْبَخٍ
.....						
.....						

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

خَوْخٌ	بُخُورٌ	دَاخِلٌ	نَسَخٌ	مُنَاخٌ
....و....	ب....ور	د....ل	ن....س	م....نا

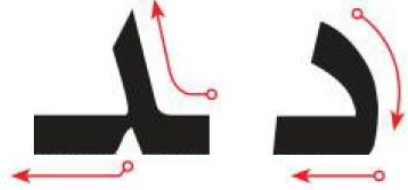
الدَّرْس الثَّامِن – حَرَف الدَّال

أول الكلمة الكلمة آرंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
د	د	د	د

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
دَ	दाल	دَال	د

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

द द द द द द द

د د د د د د د

.....

.....

الدَّرْس الثَّامِن – حَرَف الدَّال

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	---------------------	---------------------	--------------------	--------------------------------	----------------------------------

د	د	د	د	د	د	د
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (د) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (د) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

دُبُّ	أَبْدَأُ	بَدَأْتُ	جَدُّ	جَدَّةٌ
دُبُّ	أَبْدَأُ	بَدَأْتُ	جَدُّ	جَدَّةٌ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

دُمِيَّةٌ	وَلَدٌ	نَادِرٌ	صَدِيقٌ	قَرْدٌ
دُمِيَّةٌ	وَلَدٌ	نَادِرٌ	صَدِيقٌ	قَرْدٌ
.....				
.....				

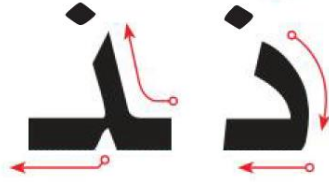
الدَّرْسُ التَّاسِعُ – حَرْفُ الذَّالِّ

أول الكلمة الکلمة آرंभ में	وسط الکلمة مध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ذ	ذ	ذ	ذ

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ذَ	ज़ाल	ذَالٌ	ذ

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أَسَمِّي الحَرْفَ وَألَوْنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ أَلَحِظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ذ ذ ذ ذ ذ ذ ذ

ذ ذ ذ ذ ذ ذ ذ

.....

.....

الدَّرْسُ التَّاسِعُ – حَرْفُ الدَّالِّ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ذ	ذ	ذ	ذ	ذ	ذ	ذ
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ذ) ثُمَّ اكْتُبْ
الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (ذ) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ذَا	ذَابَ	ذَاتَ	أَخَذَ	خُذْ
كَأ	كَأَبَ	كَأَتَ	أَخَذَ	خُذْ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

مُنْقِذٌ	ذِكِيٌّ	أُذُنٌ	رَذَاذٌ	لَذِيذٌ
مُنْقِ...	كِي...	أُن...	رَا...	لِي...

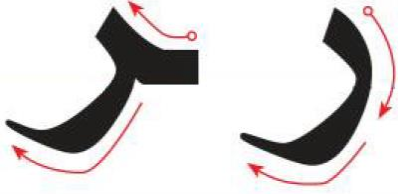
الدَّرْسُ العَاشِرُ – حَرَفُ الرَّاءِ

أَوَّلُ الكَلِمَةِ أَرَبْهَ مَ	وَسْطُ الكَلِمَةِ مَدْيَ مَ	آخِرُ الكَلِمَةِ مَتَّصِلًا أَنْتَ مَ جُذَا هُوَ	آخِرُ الكَلِمَةِ مَنْفَصِلًا أَنْتَ مَ بِنَا جُذَا
ر	ر	ر	ر

صَوْتُهُ	اسْمُهُ		رِسْمُ الحَرْفِ
	هِندِي	عَرَبِي	
رَ	रा	راءُ	ر

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الحَرْفَ وَأَلْوَنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

र र र र र र र र

ر ر ر ر ر ر ر ر

.....

.....

الدَّرْسُ العَاشِرُ – حَرْفُ الرَّاءِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ر	ر	رَاءٌ	ر	ر	ر	ر
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ر) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ر) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

رُبَّ	رَدَّ	خَرَجَ	حَجَرُ	بَارٌّ
رُبَّ	رَدَّ	خَرَجَ	حَجَرُ	بَارٌّ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

بَرْدٌ	رَحْلَةٌ	نَادِرٌ	رَبِّي	الْمُرُورُ
ب...د	ر...حلة	ناد...ر	بي...	الم...ور

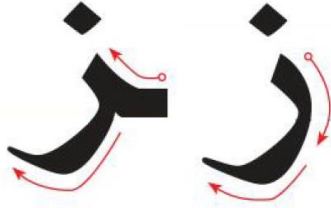
الدَّرْسُ الحَادِي عَشَرَ – حَرْفُ الزَّاي

أَوَّلُ الكَلِمَةِ مِنْ	وَسْطُ الكَلِمَةِ مِنْ	أَخْرُ الكَلِمَةِ مِنْ	أَخْرُ الكَلِمَةِ مِنْفَصِلًا أَنْتَ مِنْ بِنَا جُذَا هُوَا
ز	ز	ز	ز

صَوْتُهُ	اِسْمُهُ		رِسْمُ الحَرْفِ
	هِنْدِي	عَرَبِي	
زَ	ज़ा	زَاي	ز

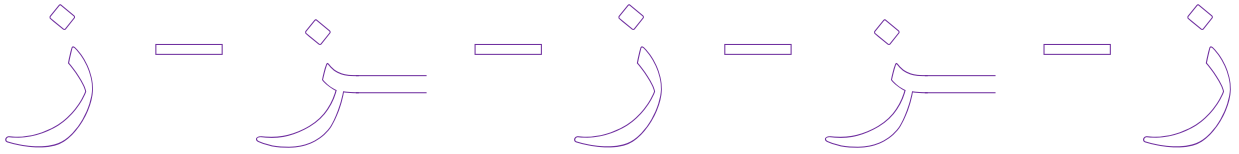
✽ مَیں کس प्रकार سے اक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الحَرْفَ:



✽ مَیں अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ اُسْمِي الحَرْفِ وَوَنُهُ:



✽ مَیں अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ اَلْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ز ز ز ز ز ز ز

ز ز ز ز ز ز ز

.....

.....

الدَّرْسُ الحَادِي عَشَرَ – حَرْفُ الزَّاي

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ز	ز	ز	ز	ز	ز	ز
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ز) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ز) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

زَادَ	زَحْزَحَ	زَارَ	أَرْزُ	خُبِرَ
زَادَ	زَحْزَحَ	زَارَ	أَرْزُ	خُبِرَ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

زَرَافَةٌ	فَازَ	حِزَامٌ	غَزَالٌ	عَزِيزٌ
زَرَافَةٌ	فَازَ	حِزَامٌ	غَزَالٌ	عَزِيزٌ
...رَافَةٌ	...فا	...حِ...ام	غ...ال	ع...يز

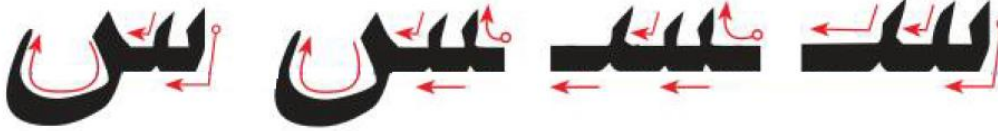
الدَّرْسُ الثَّانِي عَشَرَ – حَرْفُ السَّيْنِ

أول الكلمة البدء في	وسط الكلمة في	آخر الكلمة متصلاً أنت في जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً أنت في बिना जुड़ा हुआ
س	س	س	س

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
سَ	सीन	سَيْنٌ	س

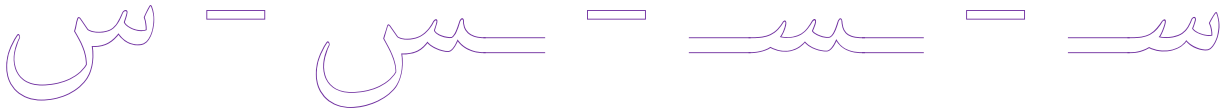
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



الدَّرْسُ الثَّانِي عَشَرَ – حَرْفُ السَّيْنِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	---------------------	---------------------	--------------------	---------------------------------	----------------------------------

س	س	س	س	س	س	س
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (س) ثُمَّ اكْتُبْ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (س) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

سَارَ	أَسْرَارُ	أَدْرُسُ	رَسَتْ	سَاحَ
سَارَ	أَسْرَارُ	أَدْرُسُ	رَسَتْ	سَاحَ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

سَفِينَةٌ	مُشْمِسٌ	حَارِسٌ	رَسَمَ	يَسُوقُ
...فِينَةٌ	...مِشْمِ...	...حَارِ...	...رَمَ	...يَسُوقُ

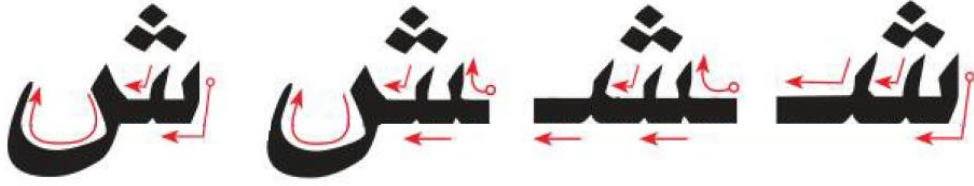
الدَّرْسُ الثَّالِثُ عَشَرَ – حَرْفُ الشَّيْنِ

أول الكلمة البدء في	وسط الكلمة في	آخر الكلمة متصلاً أنت في जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً أنت في बिना जुड़ा हुआ
ش	ش	ش	ش

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ش	शीन	شَيْنُ	ش

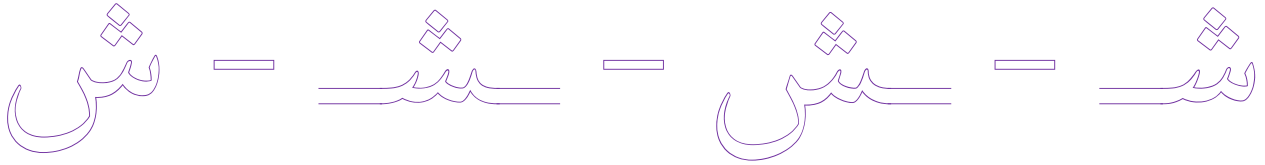
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

श श श श श श श

श श श श श श श

.....

.....

الدَّرْسُ الثَّالِثُ عَشَرَ – حَرْفُ الشَّيْنِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ش	ش	ش	ش	ش	ش	ش
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ش) ثُمَّ اكْتُبْ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ش) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

شَاشُ	بَشْتُ	شَابَ	شَجَرُ	أَبْشِرُ
شَاشُ	بَشْتُ	شَابَ	شَجَرُ	أَبْشِرُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

مِشْمِشُ	شَرَاعَ	فِرَاشُ	عَطِشَ	عُشُ
مِ...م...	ش...ع	فِرَا...	عَطِ...	عُ...

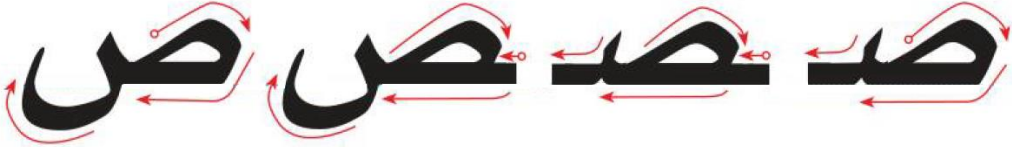
الدَّرْسُ الرَّابِعُ عَشَرَ – حَرْفُ الصَّادِ

أول الكلمة الکلمة آرंभ में	وسط الکلمة مध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
	ص	ص	ص

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
صَ	साद	صَادُ	ص

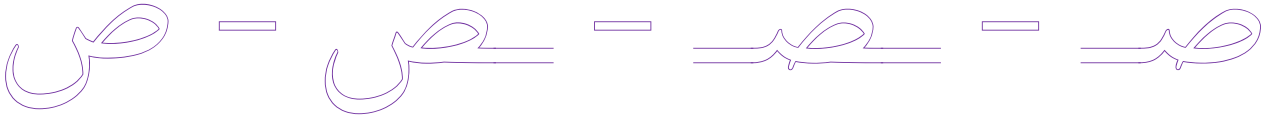
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الحَرْفَ وَأَلْوَنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



.....

.....

الدَّرْسُ الرَّابِعُ عَشَرَ – حَرْفُ الصَّادِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ص	ص	صَادُ	ص	ص	ص	ص
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ص) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ص) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

صَاح	أَصَابَ	أَصْبَحَ	حَرَصَ	صَادَ
صَاح	أَصَابَ	أَصْبَحَ	حَرَصَ	صَادَ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

صُورَةٌ	عَصِيرٌ	بَصَلٌ	صِحَّةٌ	قَصَصٌ
....ورة	ع...ير	ب....ل	حة	ق.....ص

الدَّرْسُ الْخَامِسُ عَشَرَ - حَرْفُ الضَّادِ

أول الكلمة البدء في	وسط الكلمة في	آخر الكلمة متصلاً أنت في जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً أنت في बिना जुड़ा हुआ
ض	ض	ض	ض

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ض	ज़ाद	ضاد	ض

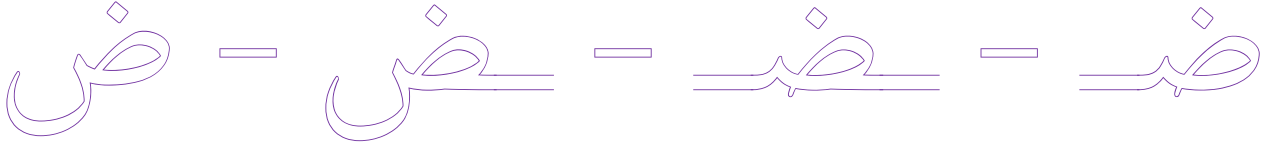
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَالْوَنَهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ض ض ض ض ض ض ض

ض ض ض ض ض ض ض

.....

.....

الدَّرْسُ الْخَامِسُ عَشَرَ – حَرْفُ الضَّادِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ض	ض	ض	ض	ض	ض	ض
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ض) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (ض) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ضَارِبَ	ضَرْبَ	ضِرْسُ	خُضَارُ	خِضَابُ
ضَارِبَ	ضَرْبَ	ضِرْسُ	خُضَارُ	خِضَابُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

مَرِيضٌ	حَاضِرٌ	ضِرْسُ	فَرَضُ	رَضِيعٌ
مَرِي...	حَ...ر	رُس...س	فَ...ر	رَ...يع

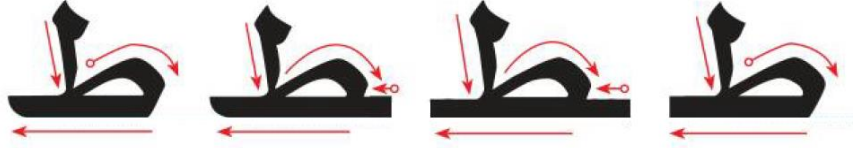
الدَّرْسُ السَّادِسُ عَشَرَ – حَرْفُ الطَّاءِ

أول الكلمة آرंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ط	ط	ط	ط

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
طَ	ता	طَاءُ	ط

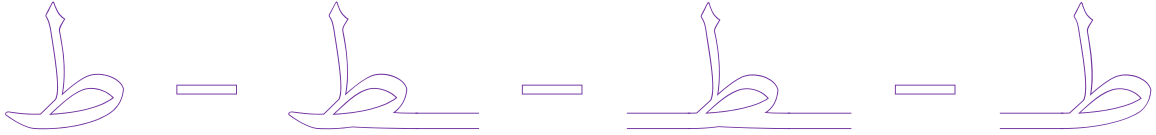
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَآلْوَنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحِظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



.....

.....

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ط	ط	ط	ط	طَاءٌ	ط	ط
---	---	---	---	-------	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ط) ثُمَّ اكْتُبْ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ط) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

طَارَ	بَطَرَ	طَبَّ	سَطَرَ	شَطَرُ
طَارَ	بَطَرَ	طَبَّ	سَطَرَ	شَطَرُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

طَيْرٌ	بَطَّةٌ	سَوَطٌ	قَطٌّ	شَرَطٌ
طَيْرٌ	بَطَّةٌ	سَوَطٌ	قَطٌّ	شَرَطٌ
ط...ير	ب...ة	س...و	ق...ط	ش...ر

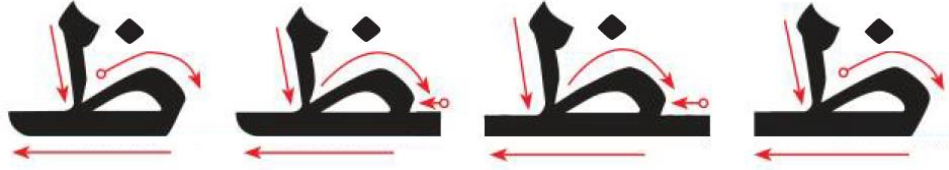
الدَّرْس السَّابِع عَشْر - حَرْف الظَّاء

أَوَّل الكلمة آرَبْم مِّنْ	وَسَط الكلمة مَدْي مِّنْ	آخِر الكَلِمَة مَتَّصِلًا أَنْت مِّنْ جُذَا هُوَ	آخِر الكَلِمَة مَنْفَصِلًا أَنْت مِّنْ بِنَا جُذَا
ظ	ظ	ظ	ظ

رِسْم الحَرْف	اسْمُه		صَوْتُه
	هِنْدِي	عَرَبِي	
ظ	ज़ा	ظَاءُ	ظَ

✽ مِّنْ كَيْسِ طَكَارِ سَ ع اَكْشَر لِيخْتَا هُئ:

✽ كَيْفَ أَرْسَمُ الحَرْفَ:



✽ مِّنْ اَكْشَر كَا نَامَكَرَن طَكَرْتَا هُئ تَا
اُسَ رَنُغْتَا هُئ:

✽ اُسَمِّي الحَرْفَ وَاَلْوَنُه:



✽ مِّنْ اَكْشَر كُو دْهَانِ سَ دَاسْتَا هُئ فَاِئ اُسَ
لِيخْتَا هُئ:

✽ اَلْاِحْظُ الحَرْفَ وَاَكْتُبُه:

ظ ظ ظ ظ ظ ظ ظ

ظ ظ ظ ظ ظ ظ ظ

.....

.....

الدَّرْسُ السَّابِعُ عَشَرَ – حَرْفُ الظَّاءِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ظ	ظ	ظ	ظ	ظ	ظ	ظ
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ظ) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ظ) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ظِيرٌ	حَظٌّ	حَظَرٌ	ظِيرٌ	ظَبَاءٌ
ظِيرٌ	حَظٌّ	حَظَرٌ	ظِيرٌ	ظَبَاءٌ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

ظِلٌّ	مِظْلَةٌ	ظَفَرٌ	غَلِيظٌ	مَحْفُوظٌ
ظِلٌّ	مِظْلَةٌ	ظَفَرٌ	غَلِيظٌ	مَحْفُوظٌ
.....				
.....				

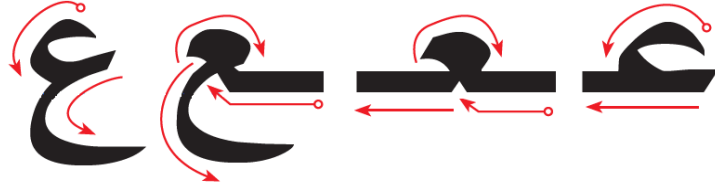
الدَّرْس الثَّامِنَ عَشَرَ – حَرْفُ الْعَيْنِ

أَوَّلُ الكلمة أَرَبْءِ مَے	وَسْطُ الكلمة مَءْءِ مَے	آخِرُ الكلمة مَءْءِ مَے	آخِرُ الكلمة مَءْءِ مَے
ع	ع	ع	ع

صَوْتُهُ	اِسْمُهُ		رِسْمُ الحَرْفِ
	هِنْدِي	عَرَبِي	
عَ	ऐन	عَيْنُ	ع

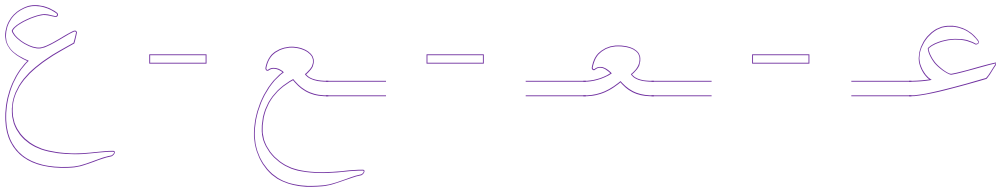
❖ مَے کس प्रकार سے अक्षर लिखता हूँ:

❖ كَيْفَ أَرَسُمُ الحَرْفَ:



❖ मَے अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

❖ اُسْمِي الحَرْفِ وَاَلْوَنُهُ:



❖ मَے अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

❖ اَلْأَحْظُ الحَرْفِ وَأَكْتُبُهُ:

ع ع ع ع ع ع ع ع

ع ع ع ع ع ع ع ع

.....

.....

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ع	ع	عَيْنٌ	ع	ع	ع	ع
---	---	--------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ع) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (ع) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

عَابَ	عَبَدَ	بَعَثَ	تَبَرَّعَ	شَعَرَ
عَابَ	عَبَدَ	بَعَثَ	تَبَرَّعَ	شَعَرَ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

عَقْلٌ	سَعِيدٌ	وَاسِعٌ	تَعَلَّمَ	تَبَرَّعَ
عَقْلٌ	سَعِيدٌ	وَاسِعٌ	تَعَلَّمَ	تَبَرَّعَ
...	...	...	...	...

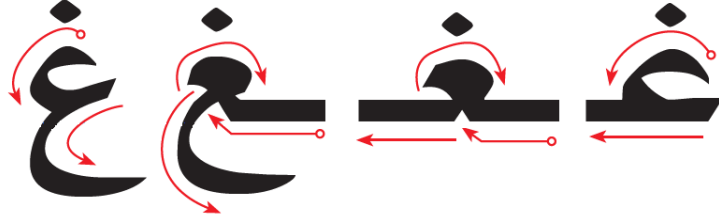
الدَّرْسُ التَّاسِعُ عَشَرَ – حَرْفُ الْغَيْنِ

أَوَّلُ الكلمة مِنْ	وَسْطُ الكلمة مِنْ	أَخْرُ الكلمة مِنْ	أَخْرُ الكلمة مِنْ
أَوَّلُ الكلمة مِنْ	وَسْطُ الكلمة مِنْ	أَخْرُ الكلمة مِنْ	أَخْرُ الكلمة مِنْ
أَوَّلُ الكلمة مِنْ	وَسْطُ الكلمة مِنْ	أَخْرُ الكلمة مِنْ	أَخْرُ الكلمة مِنْ

رِسْمُ الحَرْفِ	اِسْمُهُ	صَوْتُهُ
رِسْمُ الحَرْفِ	اِسْمُهُ	صَوْتُهُ
رِسْمُ الحَرْفِ	اِسْمُهُ	صَوْتُهُ

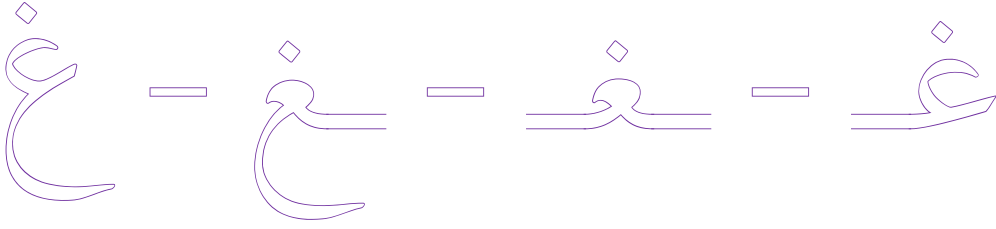
❖ مِّنْ كَيْسٍ طَرِيقٍ سَيُخْرِجُكَ مِنَ الْغَيْبِ

❖ كَيْفَ أَرَسُمُ الْحَرْفِ:



❖ مِّنْ أَسْمَى الْحَرْفِ وَالْوَنَةِ:

❖ أَسْمَى الْحَرْفِ وَالْوَنَةِ:



❖ مِّنْ أَسْمَى الْحَرْفِ وَالْوَنَةِ:

❖ أَسْمَى الْحَرْفِ وَالْوَنَةِ:

غ غ غ غ غ غ غ غ

غ غ غ غ غ غ غ غ

.....

.....

الدَّرْسُ التَّاسِعُ عَشَرَ – حَرْفُ الْغَيْنِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

غ	غ	غَيْنٌ	غ	غ	غ	غ
---	---	--------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (غ) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (غ) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

غَزَا	رَاغ	صَغُرَ	صَاغَ	غَاصَ
غَزَا	رَاغ	صَغُرَ	صَاغَ	غَاصَ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

غُصْنٌ	صِغَارٌ	رُسْعٌ	لَدَغٌ	إِغْلَاقٌ
غُصْنٌ	صِغَارٌ	رُسْعٌ	لَدَغٌ	إِغْلَاقٌ
.....				

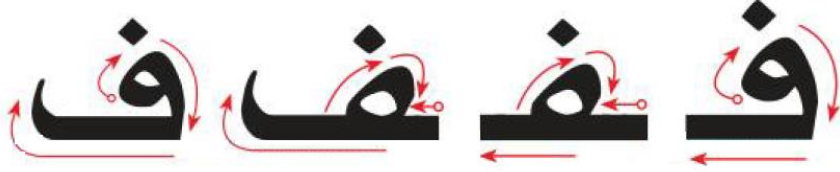
الدَّرْسُ العَشْرُونَ – حرف الفاء

أول الكلمة البدء في	وسط الكلمة في	آخر الكلمة متصلاً في	آخر الكلمة منفصلاً في
ف	ف	ف	ف

صوته	اسمه		رسم الحرف
	هندي	عربي	
فَ	फ़	فَاءُ	ف

❖ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

❖ كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:



❖ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

❖ أَسْمِي الْحَرْفَ وَأَلْوَنُهُ:



❖ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

❖ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ف ف ف ف ف ف ف

ف ف ف ف ف ف ف

.....

.....

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ف	ف	فَاءٌ	ف	ف	ف	ف
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ف) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (फ) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

رُفٌ	فَرَسٌ	نَافِذَةٌ	نَظْفٌ	ظَرْفٌ
رُفٌ	فَرَسٌ	نَافِذَةٌ	نَظْفٌ	ظَرْفٌ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

فَوَازٌ	خُرُوفٌ	رُفُوفٌ	الْفِيلُ	فَقِيرٌ
فَوَازٌ	خُرُوفٌ	رُفُوفٌ	الْفِيلُ	فَقِيرٌ
...وَأَزْ	...وَرُ	...وَرُ	...وَرُ	...وَرُ

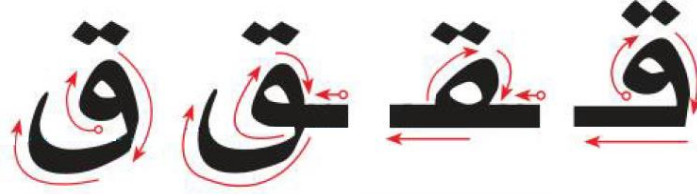
الدَّرْسُ الحَادِي والعَشْرُون – حَرَفُ الْقَافِ

أَوَّلُ الكَلِمَةِ أَرَبَبْ مَعْنَى	وَسَطُ الكَلِمَةِ مَاضِي مَعْنَى	أَخِرُ الكَلِمَةِ مَتَّصِلًا أَنْتَ مَعْنَى جُزْأَ	أَخِرُ الكَلِمَةِ مَنْفَصِلًا أَنْتَ مَعْنَى جُزْأَ
ق	ق	ق	ق

رِسْمُ الحَرْفِ	اسْمُهُ		صَوْتُهُ
	هِنْدِي	عَرَبِي	
ق	क़ाफ़	قَافٍ	قَ

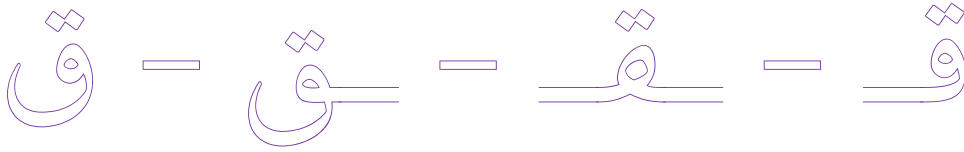
❖ مَعْنَى كَيْسَ طَرِيقَ سَعِ اَلْحَرْفِ لِيَكْتُبَ:

❖ كَيْفَ أَرَسُمُ الحَرْفِ:



❖ مَعْنَى اَلْحَرْفِ كَا نَامَكِرَانِ كَرَتَا هُوَ ثَتَا
اُسَعِ رَنُغَتَا هُوَ:

❖ اُسَمِّي الحَرْفَ وَالْوَنَّهُ:



❖ مَعْنَى اَلْحَرْفَ كُو دِيَاانَ سَعِ دَعَكُتَا هُوَ فِيرَ اُسَعِ
لِيَكْتُبَ هُوَ:

❖ اَلْأَحْظُ الحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ق ق ق ق ق ق ق ق

ق ق ق ق ق ق ق ق

.....

.....

الدَّرْسُ الحَادِي والعَشْرُونَ – حَرْفُ الْقَافِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ق	ق	قَافُ	ق	ق	ق	ق
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ق) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ मैं अक्षर (ق) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

قَرَأَ	عَقِبَ	صَدَقَ	بَرَقَ	قَصَصَ
قَرَأَ	عَقِبَ	صَدَقَ	بَرَقَ	قَصَصَ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

قُرْآنٌ	يَقْفِزُ	فَوْقَ	مَقَاعِدُ	بُنْدُقُ
...رَأَنُ	ي...فِزُ	ف...وُ	م...َاعِدُ	ب...نْدُ

الدَّرْسُ الثَّانِي والعَشْرُونَ – حرف الكاف

أول الكلمة التي تبدأ بها	وسط الكلمة في المتوسط	آخر الكلمة متصلاً أو منفصلاً
ك	ك	ك

رسم الحرف	اسمه		صوته
	هندي	عربي	
ك	کاف	كَافُ	كَ

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أَسَمِّي الْحَرْفَ وَأَلْوَنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



.....

.....

الدَّرْسُ الثَّانِي وَالْعَشْرُونَ – حَرْفُ الْكَافِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
 ✽ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
 चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ك	ك	ك	ك	ك	ك	ك
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ك) ثُمَّ أَكْتُبُ
 ✽ الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ك) के चारों ओर एक वृत्त
 बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

كِتَابٌ	كَثُرَ	ضَحِكَ	شَكَرَ	رِكَابٌ
كِتَابٌ	كَثُرَ	ضَحِكَ	شَكَرَ	رِكَابٌ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को
 पूर्ण करता हूँ:

كِتَابٌ	مِسْكِينٌ	مِسْكٌ	شَوْكٌ	شُكْرٌ
كِتَابٌ	مِسْكِينٌ	مِسْكٌ	شَوْكٌ	شُكْرٌ
...	...	...	...	...
...	...	...	...	...

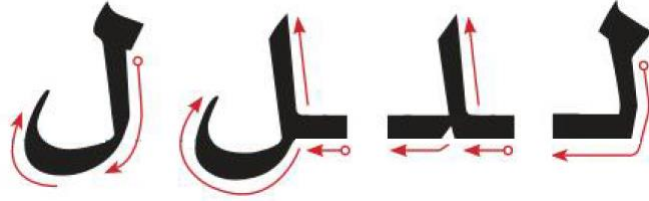
الدَّرْسُ الثَّالِثُ والعَشْرُونَ – حرف اللّام

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة मध्य में	أول الكلمة आरंभ में
ل	ل	ل	ل

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
لَ	لام	لَام	ل

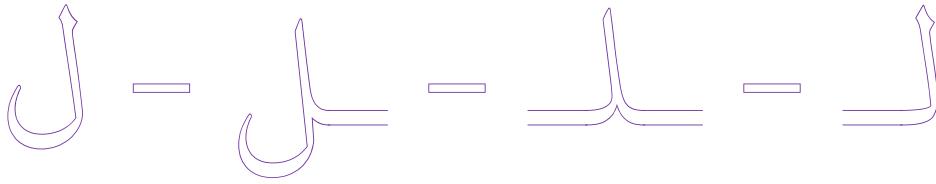
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الْحَرْفَ:



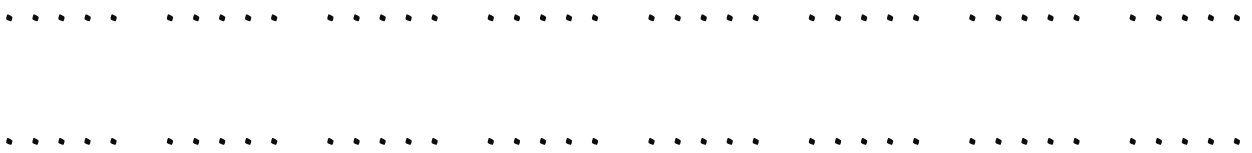
✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحِظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



الدَّرْسُ الثَّالِثُ والعَشْرُونَ – حَرْفُ اللَّامِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

ل	ل	ل	ل	ل	ل	ل
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ل) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ل) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

لَاذَا	جَلَسَ	غَسَلَ	حَفَلَ	لَحِقَ
لَاذَا	جَلَسَ	غَسَلَ	حَفَلَ	لَحِقَ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

لَيْمُونٌ	مِلْحٌ	طَوِيلٌ	جَمَلٌ	جِبَالٌ
لَيْمُونٌ	مِلْحٌ	طَوِيلٌ	جَمَلٌ	جِبَالٌ
.....				
.....				

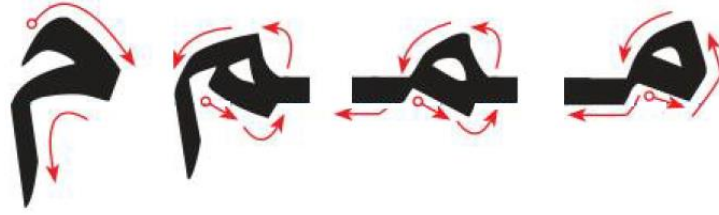
الدَّرْسُ الرَّابِعُ والعَشْرُونَ - حرف الميم

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة मध्य में	أول الكلمة आरंभ में
م	م	م	م

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
म	मीम	ميم	م

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الْحَرْفَ:



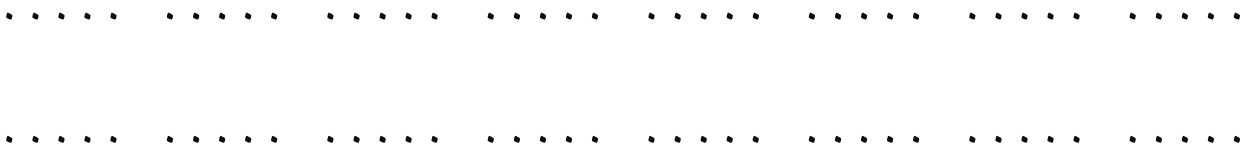
✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أَسَمِّي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



الدَّرْسُ الرَّابِعُ والعَشْرُونَ - حَرْفُ الْمِيمِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-------------------	------------------------------

م	م	م	م	م	م	م
---	---	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (م) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (م) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

رَسْمُ	أُمُّ	أَقْلَامُ	فَاطِمَةُ	مَكَّةُ
رَسْمُ	أُمُّ	أَقْلَامُ	فَاطِمَةُ	مَكَّةُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

مُسْجِدُ	جَمَلُ	ثُومُ	قَلَمُ	مُحَمَّدُ
مُسْجِدُ	جَمَلُ	ثُومُ	قَلَمُ	مُحَمَّدُ
.....				
.....				

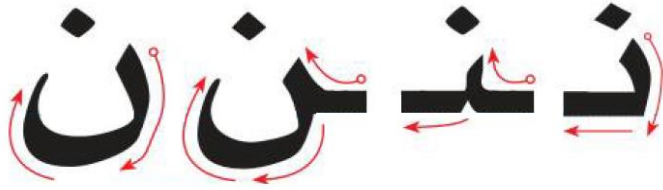
الدَّرْسُ الخامس والعشرون – حرف النُّون

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة मध्य में	أوّل الكلمة आरंभ में
ن	نـ	نـ	نـ

صوته	اسمہ		رسم الحرف
	ہندی	عربی	
نَ	नून	نُونُ	ن

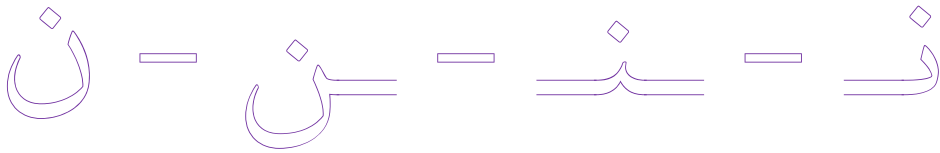
❁ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

كَيْفَ أَرْسَمُ الْحَرْفَ:



✿ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

أَسْمِي الْحَرْفِ وَالْوَنَةِ:



✿ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

❁ الْأَحْظُ الْحَرْفُ وَأَكْتَبُهُ:



الدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالْعَشْرُونَ – حَرْفُ النُّونِ

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ
مُنْفَصِلًا	مُتَّصِلًا	مُنْفَصِلًا	مُتَّصِلًا	مُنْفَصِلًا	مُتَّصِلًا

ن	ن	نُونٌ	ن	ن	ن	ن
---	---	-------	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ن) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ن) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

نَقْدٌ	عِنَبٌ	تُعْبَانُ	نَحْنُ	أَمَانٌ
نَقْدُ	عِنَبُ	تُعْبَانُ	نَحْنُ	أَمَانُ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

مَنْ	نَحْنُ	تَكُنْسُ	مِيزَانٌ	مَنْزِلٌ
مَ...	نَحْ...	تَكْ...	مِيزَا...	مَنْزِلْ...

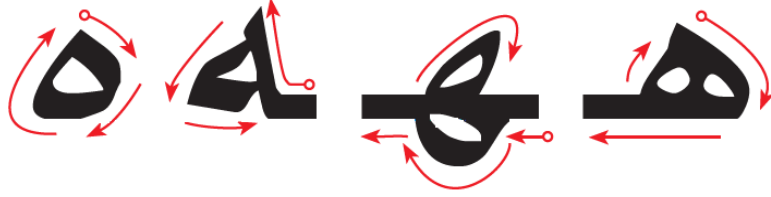
الدَّرْسُ السَّادِسُ وَالْعَشْرُونَ – حرف الهاء

أول الكلمة التي تبدأ بها	وسط الكلمة في المتوسط	آخر الكلمة متصلاً أو منفصلاً	آخر الكلمة منفصلاً أو متصلاً
هـ	هـ	هـ	هـ

صوته	اسمه		رسم الحرف
	هـ	هـ	
هـ	ها	هَاءُ	هـ

• मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

• كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:



• मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

• أَسْمِي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:



• मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

• أَلَاظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:



❖ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ

❖ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

هـ	هـ	هَاءٌ	هـ	هـ	هـ	هـ
----	----	-------	----	----	----	----

❖ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (هـ) ثُمَّ اكْتُبْ

❖ में अक्षर (هـ) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

الْكَلِمَةَ:

هَذَا مِنْبَهُ كَهْفٌ مَهَا فَهْدٌ

هَذَا مِنْبَهُ كَهْفٌ مَهَا فَهْدٌ

.....

.....

❖ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

❖ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

وَجْهٌ هَذِهِ سَهْمٌ هَذِهِ هَدْدٌ

وَجْهٌ هَذِهِ سَهْمٌ هَذِهِ هَدْدٌ

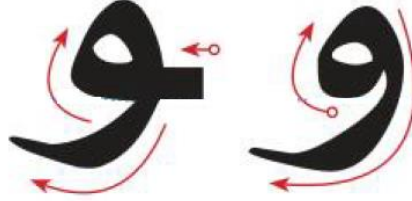
الدَّرْس السَّابِع والعَشْرُونَ – حرف الواو

آخر الكلمة منفصلاً أنت में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متصلاً أنت में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة مध्य में	أول الكلمة आरंभ में
و	و	و	و

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
وَ	वाव	وَأَوْ	و

✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرَسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَالْوَنَّهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحِظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

و و و و و و و

و و و و و و و

.....

.....

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يَنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَصِلًا	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-----------------------------	-------------------------------

و	و	وَ	وَأُو	و	و	و
---	---	----	-------	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (و) ثُمَّ اكْتُبْ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (و) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

وَجْهٌ	لَوْزٌ	سَهْوٌ	جَرَوْ	طَاوُوسٌ
وَجْهٌ	لَوْزٌ	سَهْوٌ	جَرَوْ	طَاوُوسٌ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ اكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात् अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

وَرُودٌ	دَوَاءٌ	لَيْمُونٌ	تَبُوكٌ	دَلْوٌ
و...ر	د...اء	ل...يمون	ت...بوك	د...ل

الدَّرْس الثَّامِن والعشرون - حرف الياء

آخر الكلمة منفصلاً أنت में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة मध्य में	أول الكلمة आरंभ में
ي	سي	پ	ي

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
يَ	या	يَاءٌ	ي

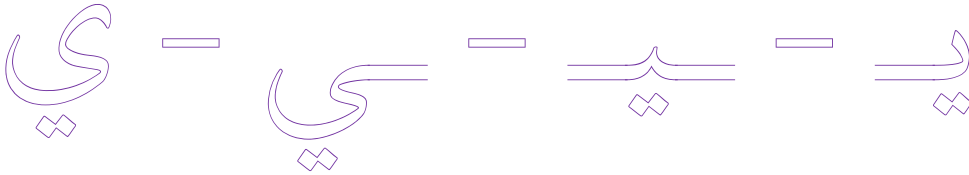
✽ मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

✽ كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:



✽ मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

✽ أُسَمِّي الْحَرْفَ وَالْوَنَّهُ:



✽ मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

✽ الْأَحْظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ:

ي ي ي ي ي ي ي ي

ي ي ي ي ي ي ي ي

.....

.....

الدَّرْس الثَّامِن والعشرون - حرف الياء

✽ أَصِلْ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنْ
القَائِمَةِ السُّفْلَى:

✽ में नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को
चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ	مُتَّصِلًا	مُنْفَصِلًا
------------------	-----------------	------------------	---------------------	--------------------	-------------------	------------	-------------

ي	ي	يَاءُ	ي	ي	ي	ي	ي
---	---	-------	---	---	---	---	---

✽ أَرْسُمْ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ي) ثُمَّ أَكْتُبُ
الْكَلِمَةَ:

✽ में अक्षर (ي) के चारों ओर एक वृत्त
बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

يَدُ	طُيُورُ	رِيَاضَةٌ	صَبِيٌّ	رَأْيٌ
يَدُ	طُيُورُ	رِيَاضَةٌ	صَبِيٌّ	رَأْيٌ
.....				
.....				

✽ أَقْرَأْ، ثُمَّ أَكْمِلِ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

✽ में पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को
पूर्ण करता हूँ:

يَجْرِي	يَاسَمِينُ	سَمِيكَ	كُرْسِيٌّ	جَدِّي
يَجْرِي	يَاسَمِينُ	سَمِيكَ	كُرْسِيٌّ	جَدِّي
...جَرِ...	...يَاسَمِينُ...	...سَمِيكَ...	...كُرْسِيٌّ...	...جَدِّ...

✽ أَقْرَأِ الحُرُوفَ المُرَكَّبَةَ وَأَكْتُبْهَا:

✽ में मिश्रित अक्षर पढ़ता हूँ और फिर उन्हें लिखता हूँ:

ا	ل	لا	لا	ح
.....				
لج	لا	با	يب	نت
.....				
تث	تح	يج	بين	ثلث
.....				
تين	يد	بر	نو	يس
.....				
نس	حب	جت	جا	حا
.....				
خذ	حد	تحت	نجب	يحب
.....				

س	ش	سا	شا	سل
.....				
سلم	سبل	ص	ض	صا
.....				
ضا	صد	ضد	يضع	نصف
.....				
يض	طا	ظا	حطت	طيب
.....				
طير	طبع	طلح	ظهر	ظلم
.....				
عا	غا	عتل	عيل	عبر
.....				
عين	عتو	غير	غيب	بعد
.....				

تغد سمع فا قا يقه

.....

قبل فتم قيب ضيف كا

.....

كا كب تكن كبو ليك

.....

ما منو يمو حيم ها

.....

هب هذ هبو يهد ليه

.....

✽ اكتب الكلمات التالية:

✽ में निम्नांकित शब्दों को लिखता हूँ:

أَرْنَبُ نَشَأُ رَأْسُ الْأَسَدُ كِتَابُ

.....

بَحْرُ جَبَلُ كِتَابُ ذَهَبُ يَبْتَعِدُ

.....

تُوتُ بُسْتَانُ مُفِيدَةُ سَلَّةُ أُرْتَبُ

.....

ثَوْبُ مِثَالُ مِثْلُ أَثَاثُ ثَلَاثَةُ

.....

جَمَلُ مَسَاجِدُ فِجْلُ زُجَاجُ مُتَوَهِّجُ

.....

رَحْلَةُ تَمْسَاحُ لَحِيقُ يَسْبَحُ بُحَيْرَةُ

.....

خُوخُ بَخُورُ دَاخِلُ نَسَخَ مَنَاحُ

دُمِيَّةُ وَلَدُ نَادِرُ صَدِيقُ قِرْدُ

مُنْقَذُ ذَكِيُّ أَذْنُ رَذَاذُ لَذِيذُ

بَرْدُ رَحْلَةُ نَادِرُ رَبِّي الْمُرُورُ

زَرَافَةُ فَازَ حِرَامُ غَزَالُ عَزِيزُ

سَفِينَةُ مَشْمِسُ حَارِسُ رَسَمَ يَسُوقُ

مِشْمَشٌ شَرَعَ فِرَاشٌ عَطِشَ عُشٌّ

صُورَةٌ عَصِيرٌ بَصَلَ صِحَّةٌ قَصَصٌ

مَرِيضٌ حَضَرَ ضَرَسَ فَرَضَ رَضِيَ

طَيْرٌ بَطَّةٌ سَوَطٌ قَطٌّ شَرَطٌ

ظِلٌّ مِظْلَةٌ ظَفَرٌ غَلِظَ مَحْفُوظٌ

عَقْلٌ سَعِيدٌ وَاسِعٌ تَعَلَّمَ تَبَرَّعَ

غُصْنٌ صِغَارٌ رُسْعٌ لَدَغٌ إِغْلَاقٌ

فَوَازٌ خَرُوفٌ رُفُوفٌ الْفِيلُ فَقِيرٌ

قُرْآنٌ يَقْفِزُ فَوْقَ مَقَاعِدُ بُنْدُقٌ

كِتَابٌ مِسْكِينٌ مِسْكٌ شَوْكٌ شُكْرٌ

لَيْمُونٌ مِلْحٌ طَوِيلٌ جَمَلٌ جِبَالٌ

مَسْجِدٌ جَمَلٌ ثُومٌ قَلَمٌ مُحَمَّدٌ

مَنْ نَحْنُ تَكُنْسُ مِيزَانُ مَنْزِلُ

وَجْهُهُ هَذِهِ اللَّهُ سَهْمُهُ هَدَاهُ

وَرُودُ دَوَاءُ لَيْمُونُ تَبُوكُ كَاكَاوُ

يَجْرِي يَاسَمِينُ سَمِيكَ كُرْسِيُّ جَدِّي

الْأَرْضُ السَّمَوَاتُ الْقُرْآنُ رَسُولُ الْقِيَوْمُ

الرَّحِيمُ الْقُدُّوسُ نُوحُ إِبْرَاهِيمُ الْفَاتِحَةُ

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

✽ अरबी भाषा में तीन मात्रा होते हैं। फ़ल्हा

(اَ), ज़म्मा (وُ), एवं कसरा (اِ)

और जब स्वर, व्यंजन से मिलते हैं तो

उनका स्वरुप बदल जाता है निम्नलिखित

उदाहरणों में उसे देखा जा सकता है:

✽ الحَرَكَاتُ فِي اللُّغَةِ الْعَرَبِيَّةِ ثَلَاثَةٌ: الْفَتْحَةُ وَالضَّمَّةُ

وَالْكَسْرَةُ، وَيَخْتَلِفُ مَعَهَا نُطْقُ الْحَرْفِ كَمَا فِي

الْأَمْثِلَةِ التَّالِيَةِ:

الحرف مع الكسرة		الحرف مع الضمّة		الحرف مع الفتحه	
الْأَمْثِلَةُ	الْحَرْفُ	الْأَمْثِلَةُ	الْحَرْفُ	الْأَمْثِلَةُ	الْحَرْفُ
سُئِلَ	إِنَابَةٌ	مَسْئُولٌ	أَكَلَ	أَخَذَ	أَكَلَ
سُبِقَ	سَبِيلٌ	بُقِرَ	بُذِرَ	بَرَزَ	بَرَدَ
تَلَكَّ	سُتِرَ	عَائِشَةُ	تُبِعَ	كِتَابٌ	تَوْبَةٌ
أَثَمَ	ثِيَابٌ	ثُومٌ	ثُقِبَ	ثَرِيدٌ	ثَبَتَ
يَجِيءُ	جَمَالٌ	مَسْجُورٌ	جُبِرَ	جَزَمَ	جَرَدَ
حَبَالٌ	رَحِيمٌ	لُحُومٌ	حُمِلَ	حَرَثَ	حَزَمَ
أَخِي	بَخِيلٌ	يَدْخُلُ	خُبِرَ	خَدَمَ	خَرَجَ
دِمَاءٌ	نَدِمَ	مُدِيرٌ	دُفِعَ	دَابَّ	دَرَسَ
ذِكْرٌ	أَذِنَ	يَلُودُ	ذُكِرَ	ذَهَبَ	ذَرَفَ
رِمَاحٌ	مَرِحَ	خُرُوجٌ	رُفِعَ	رَزَقَ	رَدَمَ
نَزِيلٌ	زِينَةٌ	يَزُورُ	زُرِعَ	زَارَ	زَرَفَةٌ
غَسِيلٌ	أَسِفَ	سُجُودٌ	سُئِلَ	سَكَنَ	سَرَدَ

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

شَ	شَرَحَ	شَكَرَ	شُ	شَرِبَ	شُورَى	شِ	شَبِلَ	شَرَعَ
صَ	صَدَعَ	صَدَقَ	صُ	صَبَغَ	يَصُومُ	صِ	لَصِقَ	مَصِيرٌ
ضَ	ضَرَعَ	ضَبَابٌ	ضُ	ضَرَبَ	فُضُولٌ	ضِ	ضَرَسُ	ضِرَارٌ
طَ	طَحَنَ	طَرَقَ	طُ	طُرِدَ	يَطُوفُ	طِ	فَطِنَ	يَطِيرُ
ظَ	ظَرَفُ	ظَبْيٌ	ظُ	ظَلِمَ	يَغِيظُ	ظِ	ظَلَّ	عَظِيمٌ
عَ	عَرَضَ	عَدَلَ	عُ	عُرِفَ	صُعُودٌ	عِ	لَعِبَ	سَعِيرٌ
غَ	غَرَسَ	غَزَالَ	غُ	غُبَارٌ	يَسُوعُ	غِ	غَرَبَانٌ	صَغِيرٌ
فَ	فَرَضَ	دَفَنَ	فُ	فُتِحَ	رُفُوفٌ	فِ	فِيلٌ	تَفِيزُ
قَ	قَذَفَ	قَسَمَ	قُ	قُتِلَ	سُقُوطٌ	قِ	قِرَاءَةٌ	ثَقِيلٌ
كَ	كَتَبَ	كَامِلٌ	كُ	كُسِرَ	شُكُوكٌ	كِ	كِسْرَةٌ	كِتَابَةٌ
لَ	لَيْمُونٌ	كَلامٌ	لُ	لُمِسَ	يَلُومُ	لِ	سَلِمَ	كَلِيمٌ
مَ	مَوْزٌ	سَمَاءٌ	مُ	مُنِحَ	تُمُورٌ	مِ	مِنْطَادٌ	أَمِيرٌ
نَ	نَزَلَ	نَذَرَ	نُ	نُحِرَ	فُنُونٌ	نِ	نَدَى	مُنِيرٌ
هَ	هَجَرَ	هَدَفٌ	هُ	هُجُومٌ	سَهْلٌ	هِ	فَهِمَ	مَهِيْبٌ
وَ	وَزَنَ	وَرَدَ	وُ	وُعِدَ	وُصُولٌ	وِ	قَوِيٌّ	يَهْوِي
يَ	يَدٌ	يَدْرُسُ	يُ	يُصَلِّي	سُيُولٌ	يِ	أَيْسَ	مَصَافٍ

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

✽ में प्रत्येक शब्द को उसके उचित
संबंधित अक्षर से जोड़ता हूँ:

✽ أَصِلْ الْكَلِمَةَ بِالْحَرْفِ الْمُنَاسِبِ لَهَا:

مُهَنْدِي	فَاطِمَةُ	مِشْعَلُ	بِلَادِي	مَكْتَبَةٌ	تُرْتَبُ
بُ	بِ	بُ	مَ	مِ	مُ
لِمَاذَا	جَلَسَ	يَغْسِلُ	دَرَجَ	دُمِيَّةٌ	حَدِيقَةٌ
دُ	دَ	دِ	لِ	لِ	لُ
نَمْرُ	تَكُنْسُ	نِظَامُ	رَحْبُ	فَرَحَ	يُسَافِرُ
رُ	رِ	رَ	ذِ	ذِ	ذُ
صَدِيقِي	عَصِيرِي	أَحْرَصُ	فُصُولُ	فَرَحُ	نَافِذَةٌ
صِ	فُ	فِ	صَ	صُ	فَ
سَاحَ	وَاسِعُ	أَدْرُسُ	قَرَأَ	قِصَصُ	عُقُولُ
قَ	قُ	سَ	سِ	سُ	قِ

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

تَرْمِي	تَفَاحٌ	تَيْنٌ	حُسَامٌ	لَحِقَ	حَكَمٌ
تَ	حُ	حَ	تَ	تُ	حِ
أَنَا	أَحِبُّ	إِبْرَاهِيمُ	طُيُورٌ	مَطَرٌ	عَطِرَةٌ
أَ	طُ	طِ	طَ	أُ	إِ
زَهِيرٌ	زِيَادٌ	زَارَ	وَلِيدٌ	وَجْدَانٌ	وَصِلَ
زَ	وَ	وُ	وَ	زُ	زِ
جَمِيلٌ	جُسُورٌ	مَسَاجِدُ	شَمْسٌ	شُرُوقٌ	شِرَاعٌ
شَ	شِ	جَ	جِ	جُ	شُ
ضِرْسٌ	يَضْرُ	نَهَضَ	عُبُورٌ	تَعَلَّمَ	قَوَاعِدُ
ضُ	ضِ	عُ	عِ	ضَ	عَ

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

كَسَرَ	كُرَّهٍ	كِسْرَةٍ	خَرِيرٍ	خُضَارٍ	خِيَارٍ
خَ	خُ	كُ	كَ	خِ	كِ
يَذْهَبُ	يُحِبُّ	أَيْسَ	حَذَرِينَ	ذُبَابٌ	ذَكِيٌّ
يَ	ذَ	يِ	ذِ	يَ	يِ
هَوَاءٌ	زَاهِيَةٌ	هُمْ	كَثِيرٌ	يَتَحَدَّثُ	ثَعْلَبٌ
هُ	ثَ	ثُ	هِ	ثِ	هَ
غَزَالٌ	صَغِيرٌ	غُرُوبٌ	مِظْلَةٌ	نَظِيفٌ	يُحَافِظُ
غِ	غُ	ظَ	ظِ	ظُ	غَ

✽ में शब्द बनाने के लिए अक्षरों को एक

✽ اُرْتَبِ الحُرُوفَ لِشَكْلِ كَلِمَةٍ:

क्रम में जोड़ता हूँ:

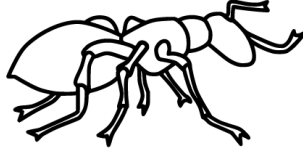
م-ذ-ر	ل-ر-م	ل-ب-د
.....		

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

✽ मैं दिए गए अक्षरों से चित्र का नाम

✽ أَكُونُ اسْمَ الصُّورَةِ مِنَ الْحُرُوفِ الْمُعْطَاةِ:

बनाता हूँ:

		
ب-ل-ن	م-ن-ل	ر-ن-م
.....		

✽ मैं शब्दों को पहले अक्षर के अनुसार

✽ أَصْنِفُ الْكَلِمَاتِ وَفَقًّا لِلْحَرْفِ الْأَوَّلِ مِنَ الْكَلِمَةِ:

वर्गीकृत करता हूँ:

مَسْجِدٌ - لَيْمُونٌ - نُورٌ - رِيْمٌ - بَدْرٌ - دُبٌّ					
ر	د	ب	م	ن	ل
.....					

✽ मैं निम्नांकित वाक्य के अक्षरों को खोजता हूँ:

✽ أَبْحَثُ عَنْ حُرُوفِ الْجُمْلَةِ التَّالِيَةِ:

نَبِيِّ مُحَمَّدٍ					
نَ	بَ	حَ	زَ	فَ	أَ
دِ	دِ	مَ	لِ	مُ	يِ
دِ	يِ	بَ	يِ	مَ	بِ

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

✽ أَصِلْ بَيْنَ الْكَلِمَةِ وَالْحَرْفِ الْمُنَاسِبِ، ثُمَّ أَكْتُبْهَا:

✽ मैं प्रत्येक शब्द को उपयुक्त अक्षर से जोड़ता हूँ, फिर पूरा शब्द लिखता हूँ:

.....	ت	مَدْرَسَ...
.....	ة	حُجْرَ...
.....	ة	تَوْ...

✽ أَقْرَأِ الْكَلِمَاتِ، وَاکْشِفِ الْحَرْفَ الْمُشْتَرَكَ فِي كُلِّ سَطْرٍ، ثُمَّ أَكْتُبْهُ:

✽ मैं शब्दों को पढ़ता हूँ, प्रत्येक पंक्ति में साझा अक्षर की पहचान करता हूँ और उसे लिखता हूँ:

.....	أَحِبُّ	أَمْوَاجُ	أَنَا
.....	مَسْجِدُ	مَتَاجِرُ	أَبْرَاجُ
.....	شَيْمَاءُ	شُرُوقُ	رِيَشُ

✽ أَصِلْ الْكَلِمَةَ بِالْكََلِمَةِ الْمُمَاثِلَةِ لَهَا:

✽ मैं समान शब्दों को एक दूसरे से जोड़ता हूँ:

مَوْزُ	ثُومُ	قَمَرُ
قَمَرُ	مَوْزُ	ثُومُ
الإِحْسَانُ	الإِيْمَانُ	الإِسْلَامُ
الإِسْلَامُ	الإِحْسَانُ	الإِيْمَانُ

✽ में प्रथम उदाहरण की तरह तालिका को पूरा करता हूँ तथा इसके लिए साथ में दिये गये शब्दों की सहायता लेता हूँ:

✽ أَكْمِلِ الْجَدُولَ كَمَا فِي الْمِثَالِ الْأَوَّلِ مَعَ
الاستفادة من الكلمات المصاحبة:

ثَلَجٌ
جَمَلٌ
حَلِيبٌ
بَطَّةٌ
خِيَارٌ
تَفَّاحٌ

أ	إ	أ	أ
فَأَرْ	إِبْرِيْقٌ	أُمِّي	أَسَدٌ
...	...	...	ب
حَبْلٌ	بَطِيخٌ	بُرْجٌ	
...	...	ت	...
مُتَحَفٌ	تَيْنٌ		تَمْرٌ
...	...	...	ث
كُمِّشْرَى	ثِيَابٌ	ثُرَيَّا	
...	...	...	ج
حُجْرَةٌ	جِدَارٌ	جُبْنٌ	
...	...	...	ح
لَحْمٌ	حِصَانٌ	حُسَامٌ	
...	خ	...	...
مَخْبِزٌ		خُرْطُومٌ	خُرُوفٌ

✽ में प्रथम उदाहरण की तरह तालिका को पूरा करता हूँ तथा इसके लिए साथ में दिये गये शब्दों की सहायता लेता हूँ:

✽ أَكْمِلِ الْجَدُولَ كَمَا فِي الْمِثَالِ الْأَوَّلِ مَعَ
الاسْتِفَادَةِ مِنَ الْكَلِمَاتِ الْمُصَاحِبَةِ:

	دُ	دِ	دُ	دَ
	مَدْرَسَةٌ	دِيكَ	دُمِيَّةٌ	دَرَّاجَةٌ
	...	...	ذُ	...
	نَذْهَبُ	ذِرَاعٌ		ذَيْلٌ
	...	...	...	رَ
	مَرْمَى	رِحْلَةٌ	رُمَانٌ	
	...	...	...	زَ
	مَزْرَعَةٌ	زِيَادٌ	زُهَيْرٌ	
	...	...	...	سَ
	مَسْبَحٌ	سَكِينٌ	سَحَبٌ	
	...	شِ	...	شِ
	مِشْمَشٌ	شِرَاعٌ	شُرُوقٌ	
	صُ	...	...	...
		صِيَامٌ	صُنْدُوقٌ	صَقْرٌ

ذُرَّةٌ
شَمْسٌ
رَأْسٌ
زَمْرٌ
مُصْحَفٌ
سَلَةٌ

✽ में प्रथम उदाहरण की तरह तालिका को पूरा करता हूँ तथा इसके लिए साथ में दिये गये शब्दों की सहायता लेता हूँ:

✽ أَكْمِلِ الْجَدُولَ كَمَا فِي الْمِثَالِ الْأَوَّلِ مَعَ
الاسْتِفَادَةِ مِنَ الْكَلِمَاتِ الْمُصَاحِبَةِ:

عَسَلٌ
طِفْلٌ
فَصْلٌ
غَزَالٌ
مِقْصَفٌ
ظِلٌّ

ضَ	ضِ	ضُ	ضْ
ضَبٌّ	ضِفْدَعٌ	ضُرُوسٌ	مَضْرِبٌ
...	طِ	...	...
طَبَقٌ	...	طُيُورٌ	مَطْعَمٌ
...	ظِ	...	...
ظَبْيٌ	...	ظُرُوفٌ	عَظْمٌ
عَ	...	...	...
...	عِنَبٌ	عُصْفُورٌ	لُعْبَةٌ
غَ	...	...	...
...	غِرَاءٌ	غُرَابٌ	مَغْرِبٌ
فَ	...	...	...
...	فِيلٌ	فُرْشَاءٌ	حَفْلَةٌ
...	...	...	قُ
قَمَرٌ	قَطَارٌ	قُفْلٌ	...

الدَّرْسُ الثَّلَاثُونَ - الحركات

✽ मैं पहली पक्ति में स्वर के अनुसार अक्षरों का उच्चारण करता हूँ:

✽ أَنْطِقُ الْحُرُوفَ الْمَكْتُوبَةَ بِحَسَبِ الْحَرَكَاتِ فِي السَّطْرِ الْأَوَّلِ:

الْفَتْحَةُ ()	الضَّمَّةُ ()	الْكَسْرَةُ ()
ض	ض	ض
ط	ط	ط
ظ	ظ	ظ
ع	ع	ع
غ	غ	غ
ف	ف	ف
ق	ق	ق
ك	ك	ك
ل	ل	ل
م	م	م
ن	ن	ن
ه	ه	ه
و	و	و
ي	ي	ي

الْفَتْحَةُ ()	الضَّمَّةُ ()	الْكَسْرَةُ ()
أ	أ	أ
ب	ب	ب
ت	ت	ت
ث	ث	ث
ج	ج	ج
ح	ح	ح
خ	خ	خ
د	د	د
ذ	ذ	ذ
ر	ر	ر
ز	ز	ز
س	س	س
ش	ش	ش
ص	ص	ص

الدَّرْسُ الحَادِي والثَّلَاثُونَ - السُّكُونُ والمدود والسَّدَّة

❖ إذا كَانَ الْحَرْفُ غَيْرَ مُتَحَرِّكِ فَهُوَ سَاكِنٌ: ❖
❖ अक्षर पर जब कोई मात्रा न हो तो वह साकिन (बद्ध-जिह्व) होता है:

بَاءُ	أَبُ	أَتْ	أَثُ	أَجُ	أَحُ	أَخُ
أَدُ	أَذُ	أَرُ	أَزُ	أَسُ	أَشُ	أَصُ
أَضُ	أَطُ	أَظُ	أَغُ	أَعُ	أَفُ	أَقُ
أَكُ	أَلُ	أَمُ	أَنُ	أَهُ	أَوْ	أَيُ

❖ الْحَرَكَاتُ تُعْطِينَا الصَّوْتَ الْقَصِيرَ، بَيْنَمَا الْمَدُودُ تُعْطِينَا الصَّوْتَ الطَّوِيلَ: ❖
❖ मात्रा हमें छोटे स्वर देते हैं, जबकि मह (बड़ी मात्रा) हमें दीर्घ स्वर देते हैं:

الحرف المفتوح		الحرف المضموم		الحرف المكسور	
صوتٌ قصيرٌ	صوتٌ طويلٌ	صوتٌ قصيرٌ	صوتٌ طويلٌ	صوتٌ قصيرٌ	صوتٌ طويلٌ
أُ	آ/أَ	أُ	أُو	إِ	إِ
بُ	بَا	بُ	بُو	بِ	بِ
تُ	تَا	تُ	تُو	تِ	تِ
ثُ	ثَا	ثُ	ثُو	ثِ	ثِ
جُ	جَا	جُ	جُو	جِ	جِ
حُ	حَا	حُ	حُو	حِ	حِ
خُ	خَا	خُ	خُو	خِ	خِ

الدَّرْسُ الحَادِي والثَّلَاثُونَ - السُّكُونُ والمدود والسَّدَّة

دَ	دَا	دُ	دُو	دِ	دِي
ذَ	ذَا	ذُ	ذُو	ذِ	ذِي
رَ	رَا	رُ	رُو	رِ	رِي
زَ	زَا	زُ	زُو	زِ	زِي
سَ	سَا	سُ	سُو	سِ	سِي
شَ	شَا	شُ	شُو	شِ	شِي
صَ	صَا	صُ	صُو	صِ	صِي
ضَ	ضَا	ضُ	ضُو	ضِ	ضِي
طَ	طَا	طُ	طُو	طِ	طِي
ظَ	ظَا	ظُ	ظُو	ظِ	ظِي
عَ	عَا	عُ	عُو	عِ	عِي
غَ	غَا	غُ	غُو	غِ	غِي
فَ	فَا	فُ	فُو	فِ	فِي
قَ	قَا	قُ	قُو	قِ	قِي
كَ	كََا	كُ	كُو	كِ	كِِي
لَ	لَا	لُ	لُو	لِ	لِي

الدَّرْسُ الحَادِي والثَّلَاثُونَ - السُّكُونُ والمدود والسَّدَّةُ

مَ	مَا	مُ	مُو	مِ	مِي
نَ	نَا	نُ	نُو	نِ	نِي
هَ	هَا	هُ	هُو	هِ	هِي
وَ	وَا	وُ	وُو	وَ	وِي
يَ	يَا	يُ	يُو	يِ	يِي

❖ क्या आप जानते हैं कि संयुक्त स्वर वास्तव में दो अक्षर होते हैं: पहला साकिन (बद्ध-जिह्व) और दूसरा मुतहर्रिक (मात्रा वाला)।

❖ اَتَعْلَمُ أَنَّ الْحَرْفَ الْمَشْدَدَّ هُوَ حَرْفَانِ: الْأَوَّلُ سَاكِنٌ وَالثَّانِي مُتَحَرِّكٌ (سُ + س = سَ):

الكلمة	الحرف المشدّد	حروف الكلمة
تَكَسَّرَ	سَ	تَ كَ سَ رَ
تَفَكَّكَتْ	كَ	تَ فَ كَ كَ كَ تْ
تَسْرَعَ	رَ	تَ سَ رَ عَ
رَدَّ	دَ	رَ دَ دَ
قَدَّمَ	دَ	قَ دَ دَ مَ
يَتَّقِي	تَ	يَ تَ تَ قَ يَ
جَنَّةٌ	نَ	جَ نَ نَ ةٌ

الدَّرْسُ الحَادِي والثَّلَاثُونَ - السُّكُونُ والمدود والسَّدَّة

✽ मैं शद्दा (संयुक्त स्वर) और तनवीन वाले
अक्षरों का उच्चारण करता हूँ:

✽ أَنْطِقُ الْحُرُوفَ مُشَدَّدَةً وَمُنَوَّنَةً:

الحرف	السَّدَّة مع الفتحة	السَّدَّة مع الضمَّة	السَّدَّة مع الكسرة	التَّنْوِين		
				فَتْحَتَيْنِ	ضَمَّتَيْنِ	كَسَرَتَيْنِ
ب	صَبَّ حَبَّة	سَبُورَةُ الْحُبِّ	سَبَّحْ رَبِّي	أَبَا	أَبُ	أَبِ
ت	بَتَّ حَتَّى	الْتَوْتُ سِتُونَ	رَتَّبْ سِتِينَ	سِتَا	سِتُ	سِتِ
ث	حَثَّ كَثْرَ	يَحِثُّ يَبِثُّ	يُكَثِّرُ بَنِي	رَثَا	رَثُ	رَثِ
ج	حَجَّ رَجَّ	يَضْجُ يَحْجُ	عَجَلَ سَجِينُ	فَجَا	فَجُ	فَجِ
ح	شَحَّ سَحَّارَ	يَشْحُ يَصْحُ	رَحِبْ رَحِلْ	شَحَا	شَحُ	شَحِ
خ	سَخَّرَ رَخَّصَ	الْمُخُ الْفَخُ	يُبْخِرُ يُسْخِرُ	فَخَا	فَخُ	فَخِ
د	رَدَّ أَعَدَّ	يُودُ يَعُدُّ	يُودِي يَهْدِي	سَدَا	سَدُ	سَدِ
ذ	حَذَرَ كَذَّبَ	يَشْدُ تَلْدُ	يُعَذِّبُ الذَّبُّ	فَذَا	فَذُ	فَذِ
ر	الرَّحِيمُ حَرَّمَ	يَفْرُ يُسِرُّ	يُحَرِّفُ الرَّبَا	سِرَا	سِرُ	سِرِ
ز	عَزَّة نَزَلَ	يُعْزُ الزُّورُ	يُنْزِلُ الزَّيْنَةُ	عِزَا	عِزُ	عِزِ
س	مَسَّ السَّبْعُ	يَمْسُ السُّوءُ	يَسِرُّ السَّلْمُ	بَسَا	بَسُ	بَسِ
ش	بَشَرَ رَشَّ	أَهْشُ الشَّحُّ	بَشِرْ يُغْشِي	عُشَا	عُشُ	عُشِ

الدَّرْسُ الحَادِي والثَّلَاثُونَ - السُّكُونُ والمدود والسَّدَّة

ص	قَصَّ	فَصَلَ	يَخْصُ	يَنْصُ	حُصِّلَ	يُفَصِّلُ	فَصًّا	فَصِي	فَصٍ
ض	فَضَلَ	عَضَّ	يَعْضُ	يَحْضُ	يُفَضِّلُ	الضَّعْفُ	غَضًّا	غَضِي	غَضٍ
ط	حِطَّةٌ	الطَّيْرُ	يَخْطُ	الطُّورُ	الطَّيْنُ	قُطِعَتْ	خَطًّا	خَطِي	خَطٍ
ظ	الظَّنُّ	الظَّمَانُ	الظِّلَةُ	الظُّنُونُ	يُعْظِمُ	الظِّلُ	حَظًّا	حَظِي	حَظٍ
ع	يَصْعَدُ	فَعَالَ	يَدْعُ	يَدْعُونَ	تَصْعَرُ	سُعِرَتْ	دَعًّا	دَعِي	دَعٍ
ف	خَفَفَ	كَافَةً	كَفُوا	يَزِفُونَ	نُوفِي	يُوفِقُ	صَفًّا	صَفِي	صَفٍ
ق	أَحَقَّ	حَقَّقَ	يَشُقُّ	الْحَقُّ	بَشِقَ	يُعَقِّبُ	حَقًّا	حَقِي	حَقٍ
ك	فَكَرَ	دَكَّاءَ	فَكُّ	تَزْكُوا	ذَكَرَ	سَكِينًا	دَكًّا	دَكِي	دَكٍ
ل	عَلَّمَ	كَلَّمَ	يَهْلُ	كُلُّ	يُعَلِّمُ	يُصَلِّي	كُلًّا	كُلِي	كُلٍ
م	عَمَّا	ثَمَّ	يَتِمُّ	أُمُّهُ	أُمِّي	حُمِلْنَا	جَمًّا	جَمِي	جَمٍ
ن	الْجَنَّةُ	النَّارُ	يَمْنُ	يَظُنُّ	بِالْمَنْ	النِّصْفُ	ظَنًّا	ظَنِي	ظَنٍ
هـ	طَهَّرَ	الْقَهَّارُ	تَوَهَّمُ	تَفَهَّمُ	مُطَهَّرُ	يُجَهِّزُ			
و	بَوًّا	كَوَّرَ	سَوُّوا	يُدَوِّنُونَ	بِالْغَدْوِ	يُكَوِّرُ	جَوًّا	جَوِي	جَوٍ
ي	خَيْرَ	إِيَّاكَ	أَيَّهَا	الْعَلِيِّ	زَيْنَ	طَيِّبًا	قَوِيًّا	قَوِي	قَوِي

الدَّرْسُ الحَادِي والثَّلَاثُونَ - السُّكُونُ والمدود والسَّدَّة

✽ أَصَنَّفُ الْكَلِمَاتِ حَسَبَ الْمَطْلُوبِ فِي
 ✽ मैं सूचीबद्ध शब्दों को तालिका के भीतर उनके
 सही स्थान पर रखता हूँ:

الجدول:

حَجَّ - يَحُجُّ - بُرَزَ - سَدَأَ - صُمُّ - ظِلٌّ - جَنَّةٌ - يَدْعُ - ذَكَرَ -
 دَكَّا - سِرٌّ - فَجَّ - خَيْرٌ - يَمْنُ - بَشَرٌ - قَوِيًّا - غَنِيٌّ - أَفٍّ

التَّنْوِين			السَّدَّة مع الكسرة	السَّدَّة مع الضمة	السَّدَّة مع الفتحة
كسرتين	ضمّتين	فتحتين			
.....					
.....					
.....					

✽ मैं दीर्घ स्वर वाले नामों को घेरता हूँ:

✽ أَضَعُ دَائِرَةً حَوْلَ الْأَسْمَاءِ الْمَمْدُودَةِ:

التَّقْتُ فَاطِمَةُ وَشَيْمَاءُ

غَابَتْ وَفَاءٌ عَنِ الْمَدْرَسَةِ

سَازُورُ وَفَاءٌ هَذَا الْمَسَاءَ

لَنْ نَطِيلَ الْبَقَاءَ

يَدْعُونَ لَهَا بِالشِّفَاءِ الْعَاجِلِ

الدَّرْسُ الثَّانِي والثَّلَاثُونَ - التَّاءُ آخِرَ الْكَلِمَةِ وَالْأَلْفُ الْمَقْصُورَةُ

✽ أَفْرُقْ فِي آخِرِ الْكَلِمَةِ بَيْنَ التَّاءِ

الْمَرْبُوطَةِ (ة) وَالتَّاءِ الْمَفْتُوحَةِ (ت)

بِتَحْوِيلِهَا إِلَى (ه) نَطْقًا ثُمَّ أَنْظِرْ:

✽ में शब्द के अंत में “बंद ता” (ة) तथा “खुले
ता” (ت) के मध्य अंतर करता हूँ, इसे “हा” (ه)
के रूप में उच्चारण कर के, और फिर देखता हूँ:

إذا لم يتغير معنى الكلمة فهي تاء مربوطة (ة)

यदि शब्द का अर्थ नहीं बदला तो , तो यह “बंद

ता” (ة) है.

إذا تغير معنى الكلمة فهي تاء مفتوحة (ت)

यदि शब्द का अर्थ बदल जाता है तो , तो यह

“खुला ता” (ت) है.

كَلِمَةٌ (تَفَاحَةٌ) إِذَا غَيَّرْنَا التَّاءَ فِي آخِرِهَا إِلَى
هَاءٍ لَمْ يَتَغَيَّرْ مَعْنَاهَا، إِذْنُ فَهِيَ مَرْبُوطَةٌ (ة).

كَلِمَةٌ (بَيْتٌ) إِذَا غَيَّرْنَا التَّاءَ فِي آخِرِهَا إِلَى
هَاءٍ تَغَيَّرَ الْمَعْنَى، إِذْنُ فَهِيَ مَفْتُوحَةٌ (ت).

✽ मैं प्रत्येक समूह के भीतर अलग-अलग शब्दों
को घेरता हूँ:

✽ أَرَسُّمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْكَلِمَةِ الْمُخْتَلِفَةِ فِي

كُلِّ مَجْمُوعَةٍ:

وَقَاءُ - عَائِشَةُ - شَيْمَاءُ
- أَسْمَاءُ

عَنْهُ - التَّلْمِيزَاتُ -
مِنْهُ - لَهُ

شَجَرَةٌ - تَحِيَّةٌ - عَذْبَةٌ
- أَسْمَاءُ

✽ निम्नांकित वाक्यों में फ़तहा, ज़म्मा एवं
कसरा वाले तनवीन के साथ इसे घेरता हूँ:

✽ أَنْوُنِ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ تَنْوِينِ فَتْحٍ وَضَمٍّ وَكَسْرٍ:

تنوين الكسر ()

تنوين الضمّ (ُ)

تنوين الفتح (ا / آ / ؤ)

الكلمة

.....

.....

مَنْزِلًا

مَنْزِل

.....

كُرَّةٌ

.....

كُرَّة

زُجَّاجٌ

.....

.....

زُجَّاج

.....

.....

.....

نَافِذَةٌ

الدَّرْسُ الثَّانِي والثَّلَاثُونَ - التَّاءُ آخِرَ الْكَلِمَةِ وَالْأَلْفُ الْمَقْصُورَةُ

✽ मैं सूचीबद्ध शब्दों को तालिका के भीतर उनके

✽ أَصَنَّفُ الْكَلِمَاتِ حَسَبَ الْمَطْلُوبِ:

सही स्थान पर रखता हूँ:

صَحَّةٌ - وَصَلْتُ - سَأَزِيْلُهُ - عَلِمْتُ - الْقُمَامَةُ - سَأَلْتُ - مَكَانُهُ -
صَدِيقُهُ - مُعَلِّمَةٌ - غَابَتْ - صَدَقَةٌ - شَرِبْتُ - بَابُهُ - إِمَاطَةٌ - مِنْهُ

تَاءٌ مَفْتُوحَةٌ	تَاءٌ مَرْبُوطَةٌ	هَاءٌ آخِرُ الْكَلِمَةِ	تَاءٌ مَفْتُوحَةٌ	تَاءٌ مَرْبُوطَةٌ	هَاءٌ آخِرُ الْكَلِمَةِ
.....					
.....					
.....					

✽ मैं शब्दों को (ي) अथवा (ى) के द्वारा पूर्ण करता हूँ:

✽ أَتَمُّ الْكَلِمَةِ بِ(ي) أَوْ (ى):

يُرْمَى...	صَدَّقَ...	يَقْضَى...
سَعَى...	يُصَلِّى...	بَذَلَ...

✽ मैं उन शब्दों को घेरता हूँ जिनमें अलिफ़
मक़सूरह (ى) है:

✽ أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْكَلِمَاتِ الَّتِي تَحْتَوِي
أَلْفًا مَقْصُورَةً (ى):

رَمَى	أَقْتَدَى	أَلْقَى	أَجْنَى
عَفَا	عَنَى	أَبَى	اشْتَرَى

✽ निम्नांकित शब्दों को मैं उचित (त-ة-ة) के
द्वारा पूर्ण करता हूँ:

✽ أَكْمِلُ بِالتَّاءِ الْمُنَاسِبَةِ (ت-ة-ة):

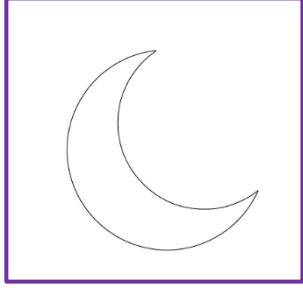
لَعِبَ... سَارَ... فِي حَدِيقَةٍ... الْمَنْزِلَ فَرَأَى... هَرَّ... صَغِيرَ... جَانَعَ...

الدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالثَّلَاثُونَ - الحُرُوفُ الشَّمْسِيَّةُ وَالْقَمَرِيَّةُ

❖ में उन अक्षरों को सीखता हूं जो (ل)

शम्सी के बाद आते हैं और जो (ل) क़मरी के बाद आते हैं:

❖ اَتَعْرِفُ عَلَى الْحُرُوفِ الَّتِي تَأْتِي بَعْدَ اللَّامِ الشَّمْسِيَّةِ وَبَعْدَ اللَّامِ الْقَمَرِيَّةِ:

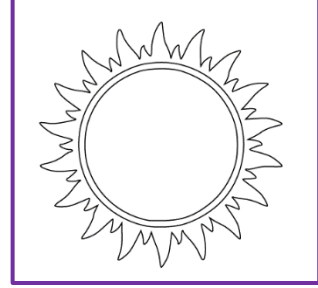


اللَّامُ الْقَمَرِيَّةُ

تُكْتُبُ وَتُنْطِقُ لَامًا سَاكِئَةً

الْحَرْفُ الَّذِي بَعْدَهَا عَلَيْهِ حَرَكَةٌ

الأب	أ	(١)
الباب	ب	(٢)
الجبل	ج	(٣)
الحشر	ح	(٤)
الخبر	خ	(٥)
العربية	ع	(٦)
الغراب	غ	(٧)
الفردوس	ف	(٨)



اللَّامُ الشَّمْسِيَّةُ

تُكْتُبُ وَلَا تُنْطِقُ

الْحَرْفُ الَّذِي بَعْدَهَا عَلَيْهِ عَلَامَةُ الشَّدَّةِ

التوبة	ت	(١)
الثمرة	ث	(٢)
الدرس	د	(٣)
الذراع	ذ	(٤)
الرجل	ر	(٥)
الزجاجة	ز	(٦)
السراج	س	(٧)
الشمعة	ش	(٨)

الدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالثَّلَاثُونَ - الحُرُوفُ الشَّمْسِيَّةُ وَالْقَمَرِيَّةُ

(٩) ص	الصَّبُورَةُ	(٩) ق	القَمَرُ
(١٠) ض	الضَّفْدَعُ	(١٠) ك	الْكِتَابُ
(١١) ط	الطَّائِرُ	(١١) م	المِسْمَارُ
(١٢) ظ	الظَّرْفُ	(١٢) هـ	الْهَرُّ
(١٣) ل	اللَّاعِبُ	(١٣) و	الْوَرْدُ
(١٤) ن	النَّمْرُ	(١٤) ي	الْيَدُ

✽ मैं शब्द में (أل) जोड़ता हूँ और इसे सही
स्वरों के साथ लिखता हूँ, फिर (ل) के प्रकार की
पहचान करता हूँ:

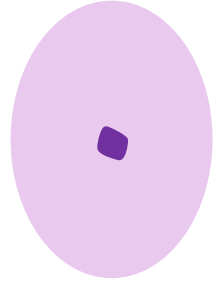
✽ أَعْرِفُ الْكَلِمَةَ بِـ (أل) وَأَكْتُبُهَا مَشْكُولَةً،
ثُمَّ أَحَدِّدُ نَوْعَ اللَّامِ:

الكلمة	أضيف (أل) وأكتب الكلمة مشكولةً	شمسية	اللام القمرية
مَنْزِلٌ		○	○
كُرَّةٌ		○	○
زُجَاجَةٌ		○	○
نَافِذَةٌ		○	○
قَلَمٌ		○	○
شَمْسٌ		○	○
قَمَرٌ		○	○
دَجَاجَةٌ		○	○

الدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالثَّلَاثُونَ - الأرقام

✽ اَتَعَرَّفُ عَلَى الْأَرْقَامِ الْعَرَبِيَّةِ:

✽ مَیں اَرَبی سَنخْیا سِیختا ہوں:



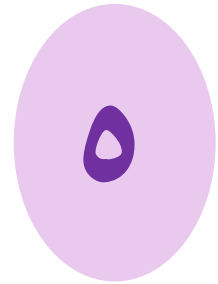
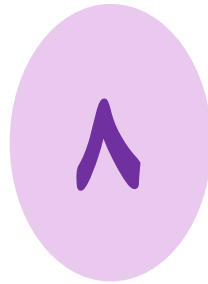
أَرْبَعَةٌ

ثَلَاثَةٌ

اِثْنَانِ

وَاحِدٌ

صِفْرٌ



تِسْعَةٌ

ثَمَانِيَةٌ

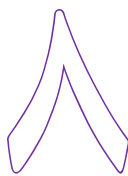
سَبْعَةٌ

سِتَّةٌ

خَمْسَةٌ

✽ أَقْرَأُ الْأَرْقَامَ وَالْوُثُهَا:

✽ مَیں سَنخْیا کو پڑھتا ہوں اور اِسے رَنگتا ہوں:



الدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالثَّلَاثُونَ - الأرقام

✽ میں संख्याओं को लिखता हूँ:

✽ اُكْتُبُ الأرقامَ:

٩ ٨ ٧ ٦ ٥ ٤ ٣ ٢ ١ ٠

٩ ٨ ٧ ٦ ٥ ٤ ٣ ٢ ١ ٠

.....

.....

.....

١٩ ١٨ ١٧ ١٦ ١٥ ١٤ ١٣ ١٢ ١١ ١٠

١٩ ١٨ ١٧ ١٦ ١٥ ١٤ ١٣ ١٢ ١١ ١٠

.....

.....

١٠٠٠ ١٠٠ ٩٠ ٨٠ ٧٠ ٦٠ ٥٠ ٤٠ ٣٠ ٢٠

١٠٠٠ ١٠٠ ٩٠ ٨٠ ٧٠ ٦٠ ٥٠ ٤٠ ٣٠ ٢٠

.....

.....

الدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالثَّلَاثُونَ - الأرقام

✱ में लिखने के बाद संख्या को उचित शब्द से

जोड़ता हूँ:

✱ أَصِلُ الرِّقْمَ بِالْكَلِمَةِ الْمُنَاسِبَةِ بَعْدَ كِتَابَتِهَا:

عشرون	٦	خمسة	٠
عشرة	٧	صفر	١
تسعة	٨	أربعة	٢
ستة	٩	واحد	٣
ثمانية	١٠	ثلاثة	٤
سبعة	٢٠	اثنان	٥

✱ में मिश्रित संख्याओं को पढ़ता एवं लिखता

مिश्र:

✱ أَقْرَأُ وَأَكْتُبُ الأَرْقَامَ الْمُركَّبَةَ:

واحد وعشرون	٢١	أحد عشر	١١
اثنان وعشرون	٢٢	اثنا عشر	١٢
ثلاثة وعشرون	٢٣	ثلاثة عشر	١٣
أربعة وعشرون	٢٤	أربعة عشر	١٤

الدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالتَّلَاثُونَ - الْيَّامُ وَالشُّهُورُ

✽ में हफ्तों के दिन सीखता हूँ:

✽ اَتَعَلَّمُ يَّامَ الْأُسْبُوعِ:

Sunday		الأحد	الأحدُ
Monday		الاثنين	الاثنينُ
Tuesday		الثلاثاء	الثلاثاءُ
Wednesday		الأربعاء	الأربعاءُ
Thursday		الخميس	الخميسُ
Friday		الجمعة	الجمعةُ
Saturday		السبت	السبتُ

✽ में दिन का नाम लिखने के बाद उसे इसके अनुवाद से जोड़ता हूँ:

✽ أَصِلُ الْيَوْمَ بِتَرْجَمَتِهِ بَعْدَ أَنْ أَكْتُبَهُ:

शुक्रवार	الثلاثاء	शनिवार	الأحد
मंगलवार	الخميس	सोमवार	الأربعاء
बृहस्पतिवार	الجمعة	बुधवार	الاثنين
		इतवार	السبت

✽ में अरबी महीने (चंद्रमा से संबंधित)

सीखता हूँ:

✽ اَتَعَلَّمُ الْأَشْهُرَ الْعَرَبِيَّةَ (الْقَمَرِيَّةَ):

.....

محرم

(١) مُحَرَّمٌ

.....

صفر

(٢) صَفَرٌ

.....

ربيع الأول

(٣) رِبِيعُ الْأَوَّلِ

.....

ربيع الثاني

(٤) رِبِيعُ الثَّانِي

.....

جمادى الأولى

(٥) جُمَادَى الْأُولَى

.....

جمادى الثانية

(٦) جُمَادَى الثَّانِيَّةُ

.....

رجب

(٧) رَجَبٌ

.....

شعبان

(٨) شَعْبَانُ

.....

رمضان

(٩) رَمَضَانُ

.....

شوال

(١٠) شَوَّالٌ

.....

ذو القعدة

(١١) ذُو الْقَعْدَةِ

.....

ذو الحجة

(١٢) ذُو الْحِجَّةِ

الدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالثَّلَاثُونَ - الْآيَّامُ وَالشُّهُورُ

✽ अरबी महीनों के नाम लिखने के बाद में इसे क्रमबद्ध करता हूँ:

✽ أَرْتَبُ الْأَشْهُرَ الْعَرَبِيَّةَ بَعْدَ أَنْ أُكْتُبَهَا:

رمضان	٧	صفر	١
شوال	٨	ربيع الأول	٢
رجب	٩	محرم	٣
ذو القعدة	١٠	جمادى الأولى	٤
ذو الحجة	١١	جمادى الثانية	٥
شعبان	١٢	ربيع الثاني	٦

✽ मैं महीनों के नाम सीखता हूँ एवं उन्हें लिखता

✽ أَتَعْرِفُ عَلَى الشَّهْرِ وَأُكْتُبُهُ:

.....	شَهْرُ الصِّيَامِ	١
.....	شَهْرُ عِيدِ الْفِطْرِ	٢
.....	شَهْرُ عِيدِ الْأَضْحَى	٣
.....	شَهْرُ فِيهِ يَوْمُ عَاشُورَاءَ	٤
.....	شَهْرُ وَلَادَةِ الْمُصْطَفَى ﷺ	٥

❖ मैं अरबी विराम चिन्ह सीखता हूँ:

वाक्य के अंत में इसका प्रयोग किया जाता है।

दीर्घ वाक्य के बीच अल्प विराम के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।

जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम देर और अल्पविराम की अपेक्षा अधिक देर तक रुकना हो, वहाँ अर्द्धविराम का प्रयोग करते हैं।

प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में 'प्रश्नसूचक चिन्ह' (?) का प्रयोग किया जाता है।

वाक्य में हर्ष, विवाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लिए किया जाता है अथार्त विस्मयादिबोधक चिन्ह (!) का प्रयोग अव्यय शब्द से पहले किया जाता है।

इसे अपूर्ण विराम भी कहा जाता है। जब किसी शब्द को अलग दर्शाना हो तो वहाँ इस चिन्ह का प्रयोग किया जाता है।

दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक-चिन्ह (—) का प्रयोग किया जाता है। जैसे: तत्पुरुष और द्वंद समास दोनों पदों के बीच में, मध्य के अर्थ में, तुलना सूचक शब्दों के लिए, किसी की कही हुई बात को दोहराने के लिए।

تُسْتَعْمَلُ فِي نِهَائِهِ الْجُمْلَةُ

تُسْتَعْمَلُ لِفَصْلِ أَجْزَاءِ الْجُمْلِ الطَّوِيلَةِ

تُسْتَعْمَلُ لِلتَّفْرِيقِ بَيْنَ السَّبَبِ وَالْمُسَبَّبِ فِي أَشْيَاءٍ أُخْرَى

تُسْتَعْمَلُ فِي نِهَائِهِ الْجُمْلَةُ الْإِسْتِفْهَامِيَّةَ

تُسْتَعْمَلُ فِي نِهَائِهِ الْجُمْلَةُ الَّتِي تَحْمِلُ تَأْثَرًا مِنْ: تَعْجَبٍ، أَوْ فَرَحٍ، أَوْ حُزْنٍ...

تُسْتَعْمَلُ بَعْدَ الْقَوْلِ وَمُسْتَقَاتِهِ، وَبَيْنَ الشَّيْءِ وَأَقْسَامِهِ

تُسْتَعْمَلُ لِبَدْءِ الْحَوَارِ، وَبَيْنَ طَرَفَيْ الْجُمْلَةِ الْإِعْتِرَاضِيَّةِ

❖ اَتَعَلَّمُ عَلَامَاتِ التَّرْقِيمِ الْعَرَبِيَّةَ:

पूर्ण विराम-चिह्न

النُّقْطَةُ

.

अल्प विराम-चिह्न

الْفَاصِلَةُ

,

अर्द्ध विराम- चिह्न

الْفَاصِلَةُ الْمَنْقُوطَةُ

;

प्रश्नवाचक चिह्न

عَلَامَةُ الْإِسْتِفْهَامِ

?

विस्मयादिबोधक चिह्न

عَلَامَةُ التَّعْجَبِ

!

उप विराम-चिह्न

النُّقْطَتَانِ الرَّأْسِيَّتَانِ

:

योजक विराम-चिह्न

الشَّرْطَةُ

—

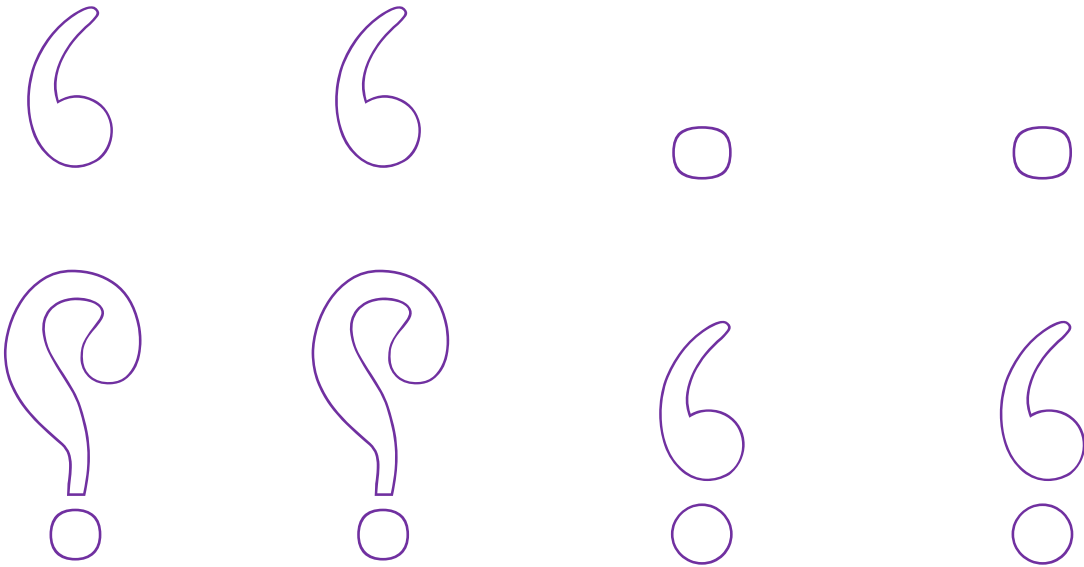
✽ میں ویرام چنھ لکھتا ہوں:

✽ اُکْتُبْ عِلَامَاتِ التَّرْقِيمِ:

‘	‘	‘	‘	.	.	.	.
.....							
!	!	؟	؟	؟	؛	؛	؛
.....							
—	—	—	—	:	:	:	!
.....							

✽ میں ویرام چنھوں کی پہچان کرتا ہوں
اور انھیں رنگتا ہوں:

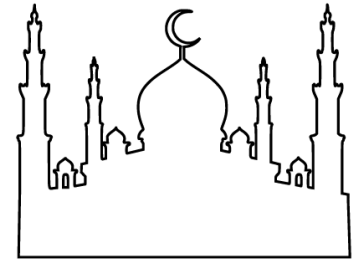
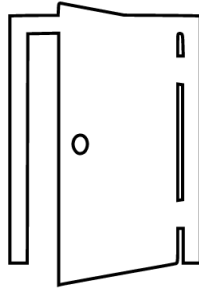
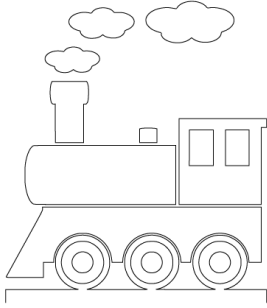
✽ اَتَعْرِفُ عَلٰی عِلَامَاتِ التَّرْقِيمِ وَالْوَنُهَا:





✽ मैं पुल्लिंग (هَذَا) "यह" का उपयोग करीब की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:

✽ أَتَعَلَّمُ الْإِشَارَةَ بِ(هَذَا) لِلْقَرِيبِ:



هَذَا قِطَارٌ

هَذَا بَابٌ

هَذَا مَسْجِدٌ

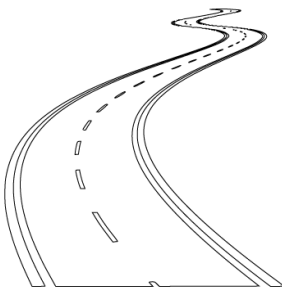
— مَا هَذَا؟

هَذَا طَرِيقٌ.

— أَهَذَا طَرِيقٌ؟

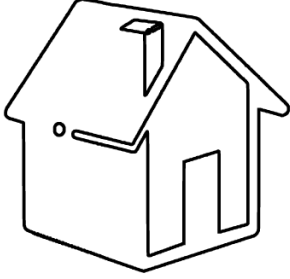
نَعَمْ، هَذَا طَرِيقٌ.

— أَهَذَا قِطَارٌ؟



لَا، هَذَا لَيْسَ قِطَارًا، بَلْ هُوَ طَرِيقٌ.

مَا هَذَا؟

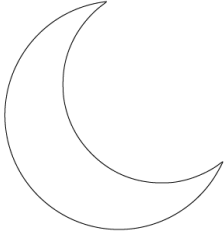


.....

أَهَذَا مَنْزِلٌ؟

.....

مَا هَذَا؟



.....

أَهَذَا مَسْجِدٌ؟

.....

مَا هَذَا؟



.....

أَهَذَا أَنْفٌ؟

.....

هَذَا؟



.....

أَهَذَا كُرْسِيٌّ؟

.....

هَذَا؟



.....

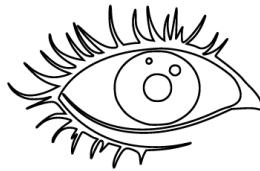
أَهَذَا كُرْسِيٌّ؟

.....

✽ اَتَعَلَّمُ الإِشَارَةَ بِ(هَذِهِ) لِلْقَرِيبِ: ✽
 ✽ मैं स्त्रीलिंग (هَذِهِ) "यह" का उपयोग करीब की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:



هَذِهِ يَدٌ



هَذِهِ عَيْنٌ



هَذِهِ سَجَّادَةٌ

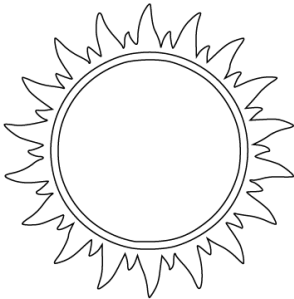
— مَا هَذِهِ؟

هَذِهِ شَمْسٌ.

— أَهَذِهِ شَمْسٌ؟

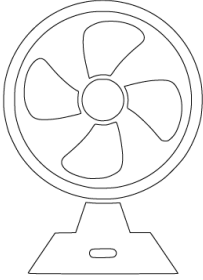
نَعَمْ، هَذِهِ شَمْسٌ.

— أَهَذِهِ أُذُنٌ؟



لَا، هَذِهِ لَيْسَتْ أُذُنًا، بَلْ هِيَ شَمْسٌ.

- مَا هَذِهِ؟

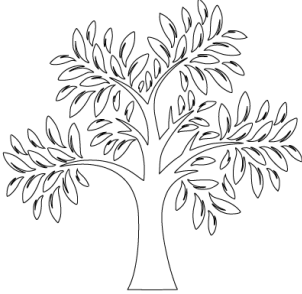


.....

- أَهَذِهِ مِرْوَحَةٌ؟

.....

- مَا هَذِهِ؟



.....

- أَهَذِهِ عَيْنٌ؟

.....

- مَا هَذِهِ؟

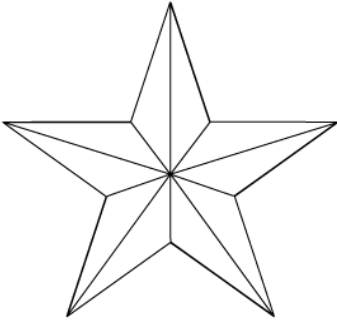


.....

- أَهَذِهِ رِجْلٌ؟

.....

- مَا هَذِهِ؟



.....

- أَهَذِهِ نَجْمَةٌ؟

.....

مَا هَذِهِ؟



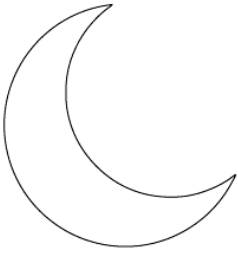
.....

أَهَذِهِ نَجْمَةٌ؟

.....

✽ मैं पुल्लिंग (ذَلِكَ) "वह" का उपयोग दूर की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:

✽ أَتَعَلَّمُ الإِشَارَةَ بِ(ذَلِكَ) لِلْبَعِيدِ:



ذَلِكَ هَالَا



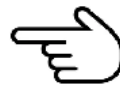
ذَلِكَ مِفْتَاحُ



ذَلِكَ سَرِيرُ



هَذَا أَنْفُ.



ذَلِكَ شَعْرُ.

– مَا ذَٰلِكَ؟

ذَٰلِكَ كَأْسٌ.



– أَذَٰلِكَ كَأْسٌ؟

نَعَمْ، ذَٰلِكَ كَأْسٌ.

– أَذَٰلِكَ سَرِيرٌ؟

لَا، ذَٰلِكَ لَيْسَ سَرِيرًا، بَلْ هُوَ كَأْسٌ.

– مَا ذَٰلِكَ؟

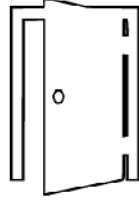


.....
– أَذَٰلِكَ مَنْزِلٌ؟
.....

– مَا ذَٰلِكَ؟



.....
– أَذَٰلِكَ كِتَابٌ؟
.....

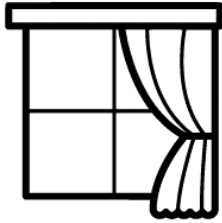


هَذَا

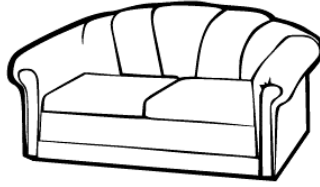


ذَلِكَ

✽ اَتَعَلَّمُ الإِشَارَةَ بِ(تِلْكَ) لِلْبَعِيدِ: ✽
 ✽ मैं स्त्रीलिंग (तुम्हें) "वह" का उपयोग दूर की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:



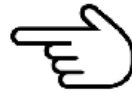
تِلْكَ نَافِذَةٌ



تِلْكَ أَرِيكَةٌ



تِلْكَ سَاعَةٌ



هَذِهِ سَجَّادَةٌ.



تِلْكَ غُيُومٌ.



- مَا تِلْكَ؟

تِلْكَ طَائِرَةٌ.

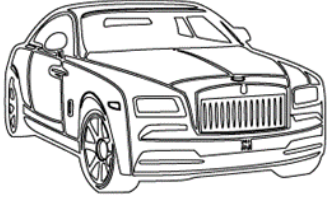
- أَتِلْكَ طَائِرَةٌ؟

نَعَمْ، تِلْكَ طَائِرَةٌ.

- أَتِلْكَ فَرَّاشَةٌ؟

لَا، تِلْكَ لَيْسَتْ فَرَّاشَةٌ، بَلْ هِيَ طَائِرَةٌ.

- مَا تِلْكَ؟



.....

- أَتِلْكَ طَائِرَةٌ؟

.....



هَذِهِ



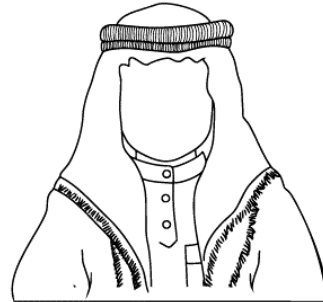
تِلْكَ

هَـ: أَتَعْرِفُ عَلَى أَفْرَادِ الْعَائِلَةِ:

هَـ: أَتَعْرِفُ عَلَى أَفْرَادِ الْعَائِلَةِ:



هَذِهِ امْرَأَةٌ - إِنَّهَا أُمُّ



هَذَا رَجُلٌ - إِنَّهُ أَبُ



هَذِهِ طِفْلَةٌ - إِنَّهَا الْبِنْتُ



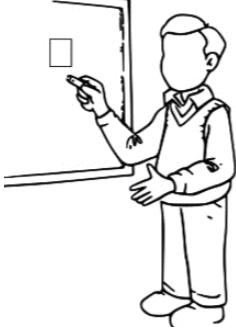
هَذَا طِفْلٌ - إِنَّهُ الْإِبْنُ

✽ मैं प्रत्येक शब्द को उसके उचित शब्द के साथ जोड़ता हूँ:

✽ أَصِلْ الْكَلِمَةَ بِمَا يُنَاسِبُهَا:

الْبِنْتُ	الْإِبْنُ	الْأُمُّ	الْأَبُ
امْرَأَةٌ	طِفْلَةٌ	رَجُلٌ	طِفْلٌ

❖ مَیں بَیْکَاسَیوں کَی پَہْچان کَرتا ہوں:



هَذَا مُعَلِّمٌ

الْمُعَلِّمُ يُدَرِّسُ الطُّلَّابَ

❖ اَتَعْرِفُ عَلٰی اَصْحَابِ الْمِهَن:



هَذَا طَبِيبٌ

الطَّبِيبُ يُدَاوِي الْمَرْضَى



هَذَا بَنَّاؤٌ

الْبَنَّاؤُ يَبْنِي لَنَا بُيُوتًا تَحْمِيْنَا مِنَ الْحَرِّ وَالْبَرْدِ



هَذَا مُهَنْدِسٌ مِعمَارِيٌّ

الْمُهَنْدِسُ الْمِعمَارِيُّ يُشْرِفُ عَلَى أَعْمَالِ الْبِنَاءِ



هَذَا جُنْدِيٌّ

الْجُنْدِيُّ يَرَابِطُ فِي الثُّغُورِ وَيَحْمِي الْبَلَدَ



هَذَا رَجُلُ الْإِطْفَاءِ

رَجُلُ الْإِطْفَاءِ يُطْفِئُ الْحَرِيقَ بِخُرْطُومِ الْمِيَاهِ



هَذَا رُبَّانٌ

الرُّبَّانُ يَقُودُ السَّفِينَةَ وَيُوصِلُهَا إِلَى بَرِّ الْأَمَانِ



هَذَا خَبَّازٌ

الْخَبَّازُ يُحَوِّلُ الدَّقِيقَ إِلَى خُبْزٍ شَهِيٍّ



هَذَا خَيَّاطٌ

الْخَيَّاطُ يَخِيطُ لَنَا مِنَ الْقُطْنِ وَالصُّوفِ

مَلَابِسَ جَمِيلَةً لِنَلْبَسَهَا



هَذَا مُزَارِعٌ

الْمُزَارِعُ يَزْرَعُ الْبُذُورَ فِي الْأَرْضِ وَيَسْقِيهَا

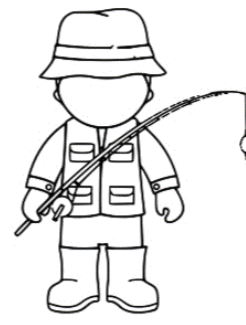
بِالْمَاءِ لِيُعْطِينَا الثَّمَارَ



هَذَا طَبَّاحٌ

الطَّبَّاحُ يُطْبِخُ لَنَا أَنْوَاعًا كَثِيرَةً مِنَ الطَّعَامِ

الَّذِي



هَذَا صَيَّادٌ

الصَّيَّادُ يَسْتَعْمِلُ الصَّنَّارَةَ وَالطَّعْمَ لِيَصِيدَ

الْأَسْمَاكَ فِي الْبَحْرِ أَوِ النَّهْرِ

٥		ملخص حروف الهجاء
٧		الدّرس الأوّل - حرف الألف
٩		الدّرس الثّاني - حرف الباء
١١		الدّرس الثّالث - حرف التّاء
١٣		الدّرس الرّابع - حرف الثّاء
١٥		الدّرس الخامس - حرف الجيم
١٧		الدّرس السّادس - حرف الحاء
١٩		الدّرس السّابع - حرف الخاء
٢١		الدّرس الثّامن - حرف الدّال
٢٣		الدّرس التّاسع - حرف الذّال
٢٥		الدّرس العاشر - حرف الرّاء
٢٧		الدّرس الحادي عشر - حرف الزّاي
٢٩		الدّرس الثّاني عشر - حرف السّين
٣١		الدّرس الثّالث عشر - حرف الشّين
٣٣		الدّرس الرّابع عشر - حرف الصّاد
٣٥		الدّرس الخامس عشر - حرف الضّاد
٣٧		الدّرس السّادس عشر - حرف الطّاء
٣٩		الدّرس السّابع عشر - حرف الظّاء

٤١		الدَّرْس الثَّامِنَ عَشَرَ - حرف العين
٤٣		الدَّرْس التَّاسِعَ عَشَرَ - حرف الغين
٤٥		الدَّرْس العشرون - حرف الفاء
٤٧		الدَّرْس الحادي والعشرون - حرف القاف
٤٩		الدَّرْس الثَّانِي والعشرون - حرف الكاف
٥١		الدَّرْس الثَّالِث والعشرون - حرف اللام
٥٣		الدَّرْس الرَّابِع والعشرون - حرف الميم
٥٥		الدَّرْس الخامس والعشرون - حرف النون
٥٧		الدَّرْس السَّادِس والعشرون - حرف الهاء
٥٩		الدَّرْس السَّابِع والعشرون - حرف الواو
٦١		الدَّرْس الثَّامِن والعشرون - حرف الياء
٦٣		الدَّرْس التَّاسِع والعشرون - الحروف المركبة
٦٦		مراجعة عامة للحركات
٧١		الدَّرْس الثَّلَاثُونَ - الحركات
٨٢		الدَّرْس الحادي والثلاثون - السُّكُون والمدود والشَّدَّة
٨٨		الدَّرْس الثَّانِي والثلاثون - التَّاء آخر الكلمة والألف المقصورة
٩٠		الدَّرْس الثَّالِث والثلاثون - الحروف الشَّمْسِيَّة والقَمَرِيَّة
٩٢		الدَّرْس الرَّابِع والثلاثون - الأرقام
٩٥		الدَّرْس الخامس والثلاثون - الأيام والشُّهُور

٩٨		الدَّرْسُ السَّادِسُ والثَّلَاثُونَ - علامات التَّرقِيم
١٠٠		الدَّرْسُ السَّابِعُ والثَّلَاثُونَ - الإشارة بهذا وهذه
١٠٤		الدَّرْسُ الثَّامِنُ والثَّلَاثُونَ - الإشارة بذلك وتلك
١٠٧		الدَّرْسُ التَّاسِعُ والثَّلَاثُونَ - الأشخاص
١١٠		الفهرس